राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 24 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-362 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बालठाकरे हमेशा याद रखे जाएंगः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की 96वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रविवार को कहा कि उन्हें एक ऐसे असाधारण नेता के तौर पर सदा याद रखा जाएगा, जो लोगों के लिए हमेशा खड़े हुए। कट्टर हिंदुत्व नेता ठाकरे का 1926 में जन्म हुआ था। उन्होंने शिवसेना की स्थापना की थी, जो लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी रही, लेकिन 2019 में दोनों दलों के संबंध खराब हो गए। ठाकरे का 2012 में निधन हो गया था। मोदी ने ट्वीट किया, मैं श्री बाबासाहेब ठाकरे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं। उन्हें एक ऐसे असाधारण नेता के तौर पर सदा याद रखा जाएगा, जो लोगों के लिए हमेशा खड़े हुए।

एनडीआरएफ का ट्विटर हैंडल हैक

नई दिल्ली । राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का आधिकारिक ट्विटर हैंडल शनिवार देर रात संभावित हैकिंग हमले का शिकार बना। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि तकनीकी विशेषज्ञ इस मामले को देख रहे हैं और हैंडल को जल्द ही बहाल कर दिया जाएगा। एनडीआरएफ के ट्विटर हैंडल से कुछ संदेश पोस्ट किए गए थे और उसमें पहले से ही जारी संदेश दिख नहीं रखे थे, लेकिन आधिकारिक डिस्प्ले तस्वीर और संघीय बल संबंधी जानकारी दिखाई दे रही थी। प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं से निपटने के लिए एक संघीय आकस्मिक बल के रूप में एनडीआरएफ का 2006 में गठन किया गया था और उसने 19 जनवरी को अपना 17वां स्थापना दिवस मनाया था।

इंडिया गेट पर लगने वाली नेताजी की मूर्ति को कौन तराशेगा पीएम मोदी आज जारी करेंगे होलोग्राम

नई दिल्ली । दिल्ली के इंडिया गेट पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज प्रतिमा के होलोग्राम का अनावरण करने जा रहे हैं। नेताजी की इस प्रतिमा को राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी के महानिदेशक अद्वैत गडनायक द्वारा तराशा जाएगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि उनके प्रति यह एक श्रद्धांजलि होगी। ओडिशा में पैदा हुए गडनायक सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति बनाने का अवसर पाकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, ÷मै खुश हूं। एक मूर्तिकार के रूप में यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे यह जिम्मेदारी देने का फैसला किया है।÷ उन्होंने कहा कि स्थापित होने के बाद प्रतिमा रायसीना हिल्स से भी दिखाई देगी। नेताजी की प्रतिमा को तराशने के लिए तेलंगाना से काला जेड ग्रेनाइट पत्थर लाया जाएगा। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने पहले ही प्रतिमा का डिजाइन तैयार कर लिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रतिमा को एक छत्र के नीचे स्थापित किया जाएगा, जहां पहले किंग जॉर्ज पंचम की प्रतिमा को 1968 में हटाए जाने तक रखा गया था। नेताजी की यह प्रतिमा जब तक पूरी नहीं हो जाती, तब तक एक होलोग्राम प्रतिमा रखी जाएगी, जिसका अनावरण 23 जनवरी को पीएम मोदी करने जा रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप ईडी सत्येंद्र जैन को कर सकती है गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्रीय एजेंसियों पर कई बड़े आरोप लगाए हैं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के पहले केंद्रीय एजेंसियां सत्येंद्र जैन को गिरफ़्तार करने जा रही है। सीएम केजरीवाल ने कहा, पांच राज्यों के चुनाव हैं। केंद्र सरकार की जांच एंजेसी भी एक्टिव हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने वाली है। उन्होंने कहा कि ईडी दो बार रेड कर चुकी है लेकिन कुछ मिला नहीं। बीजेपी चुनाव हारने पर सारी एंजेसी को छोड़ देती है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी की केंद्र सरकार ईडी के साथ और एजेंसी भी भेज सकती है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमें जेल जाने से डर नहीं लगता। हम चन्नी की तरह डरेंगे नहीं। पंजाब में 117 विधानसभा सीटों के लिए 20 फरवरी को मतदान किया जाएगा। वहीं वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी। इसी के साथ तस्वीर साफ हो जाएगी कि इस बार पंजाब में किस पार्टी को जनता ने सत्ता सौंपी है।

गणतंत्र परेड में 16 मार्चिंग दल, 17 सैन्य बैंड और 25 झांकियां होंगीं

-पीटी-76, सेंचुरियन, अर्जुन एमके-आई टैंक, एक एपीसी टोपस भी दिखाई देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गणतंत्र दिवस समारोह पर 16 मार्चिंग दल, 17 सैन्य बैंड और विभिन्न राज्यों, विभागों और सशस्त्र बलों की 25 झांकियां प्रदर्शित होंगी। भारतीय सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है, गणतंत्र दिवस परेड-2022 में सेना का प्रतिनिधित्व घुड़सवार सेना की एक घुड़सवार कॉलम, 14 मैकेनाइज्ड कॉलम, छह मार्चिंग टुकड़ियों और अपने विमानन विंग के हल्के हेलीकॉप्टरों द्वारा एक फ्लाईपास्ट द्वारा किया जाएगा। सेना के मैकेनाइज्ड कॉलम में एक पीटी-76 टैंक, एक सेंचुरियन टैंक, दो एमबीटी अर्जुन एमके-आई टैंक, एक एपीसी टोपस बख्तरबंद कार्मिक वाहक, एक बीएमपी-आई पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन और दो बीएमपी-द्वितीय पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन दिखाई देंगे। बयान में कहा गया है कि एक 75/24 पैक हॉवित्जर, दो धनुष हॉवित्जर, एक पीएमएस पुल-बिछाने वाली प्रणाली, दो सर्वत्र पुल-बिछाने वाली प्रणाली, एक एचटी-16 इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, दो तरण शक्ति इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, एक टाइगर कैट मिसाइल प्रणाली और दो आकाश मिसाइल प्रणाली मैकेनाइज्ड कॉलम का भी हिस्सा होगा। बयान के अनुसार, भारतीय सेना की छह मार्चिंग टुकड़ी राजपूत रेजिमेंट, असम रेजिमेंट, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, सिख लाइट इन्फैंट्री, आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स रेजिमेंट और पैराशूट रेजिमेंट की होगी। भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना का एक-एक मार्चिंग दल भी आरडीपी-2022 में भाग लेगा।

बयान में कहा गया है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों से, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक पुलिस बल (सीआईएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पांच मार्चिंग दल परेड में भाग लेंगे।

इस साल परेड में जल जीवन मिशन की एक झांकी दिखाई जाएगी, जिसमें लद्दाख में रहने वाले लोगों के घरों में सर्दियों के मौसम के दौरान 13 हजार फुट से अधिक ऊंचाई पर नल का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराए जाने को प्रदर्शित किया जाएगा। झांकी के अग्र भाग में जल की बूंद की एक आकृति दिखाई देगी, जो हर घर जल की उपलब्धि को दशार्ती है। इस वर्ष की परेड में दो परमवीर चक्र और एक अशोक चक्र पुरस्कार विजेता भी भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि आरडीपी-2022 के शुरू होने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण करके सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने में देश का नेतृत्व करेंगे। आरडीपी-2022 सुबह 10.30 बजे विजय चौक से राजपथ के पारंपरिक मार्ग से नेशनल स्टेडियम तक शुरू होगा और दोपहर 12 बजे विभिन्न राज्यों, विभागों और सशस्त्र बलों की 25 झांकियों के साथ समाप्त होगा।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर राष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि पीएम मोदी ने भी किया याद

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा और नया आयाम देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती को पूरा देश मना रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य नेताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि दी है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए 23 जनवरी को नेशनल हॉलिडे घोषित करने की मांग की है। दरअसल, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्विटर पर लिखा, 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर भारत कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि देता है। स्वतंत्र भारत के विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए उन्होंने- आजाद हिंद के गठन जैसे साहसी कदम उठाए। ये उन्हें राष्ट्रीय प्रतीक बनाते हैं। उनके आदर्श और बलिदान हर भारतीय को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा और नया आयाम देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती को पूरा देश मना रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य नेताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि दी है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए 23 जनवरी को नेशनल हॉलिडे घोषित करने की मांग की है। दरअसल, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्विटर पर लिखा, 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर भारत कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि देता है। स्वतंत्र भारत के विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए उन्होंने- आजाद हिंद के गठन जैसे साहसी कदम उठाए। ये उन्हें राष्ट्रीय प्रतीक बनाते हैं। उनके आदर्श और बलिदान हर भारतीय को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, 'पराक्रम दिवस की बधाई। मैं इस अवसर पर साहस और वीरता के प्रतीक नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करता हूं। उन्होंने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए काफी संघर्ष किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान हमें आज भी प्रेरणा देता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद करते हुए ट्विट्टर पर लिखा, 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर देश उन्हें व उनके जोशीले शब्दों को याद करता है। विनम्र श्रद्धांजलि।

शोपियां जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

लश्कर-ए-तैयबा के दोनों आतंकियों के शव मौके से बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी ढेर हो गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि जिले के किलबाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान, संयुक्त तलाशी दल जब संदिग्ध स्थल की ओर बढ़ रहा था, तभी छिपे आतंकवादियों ने उनपर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी और दो आतंकवादी मारे गये।'' पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गये और उनका शव मौके से बरामद कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि दोनों आतंकवादियों की पहचान समीर अहमद शाह और रईस अहमद मीर के रूप में की गयी है और दोनों क्रमशः शोपियां और पुलवामा के रहने वाले थे। पुलिस रिकार्ड के अनुसार दोनों कई आतंकी कार्रवाई में शामिल थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

कड़ाके की ठंड के बीच कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी

बारिश से बढ़ी ठिठुरन, उत्तर भारत में चल रही शीतलहर

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बीते 2 दिन से बारिश की गतिविधियों के चलते तापमान में गिरावट आई है। साथ ही शीतलहर भी कहर बरपा रही है। उत्तर भारत में कंपकंपाती सर्दी के बीच बारिश ने मुश्किलें पैदा कर दी हैं। कड़ाके की ठंड के बीच देश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम यूपी, चंडीगढ़ में आज भी बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ जम्मू कश्मीर और आसपास के इलाकों पर बना हुआ है और प्रेरित चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों पर बना हुआ है। जिससे मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी है।मौसम विभाग के मुताबिक, यूपी के हापुड़, संभल, चंदौसी, बुलंदशहर, खुर्जा, अलीगढ़, कासगंज, नरौरा और आस-पास के इलाकों में अगले कुछ घंटों में बारिश होगी। वहीं, राजधानी दिल्ली और इससे सटे इलाकों में हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक, एक ट्रफ रेखा पश्चिमी राजस्थान से पूर्वी उत्तर प्रदेश तक फैली हुई है। जिसके चलते उत्तर और पूर्वोत्तर राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, शेष उत्तर प्रदेश, बिहार के कुछ हिस्सों, उत्तरी मध्य प्रदेश, सिक्किम, झारखंड, असम और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर में ठंड का असर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। जबकि अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। दिल्ली में आज पूरे दिन हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी।

लता मंगेशकर अभी भी आईसीयू में

-फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स उनकी अच्छी सेहत के लिए कर रहे हैं दुआएं

लता मंगेशकर के प्रवक्ता ने कहा- झूठी अफवाहों पर फैंस विश्वास न करें

मुंबई (एजेंसी)।

महान गायिका लता मंगेशकर को अस्पताल में आज 16वां दिन हैं। 8 जनवरी को उन्हें कोरोना पॉजिटिव और निमोनिया की शिकायत होने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 92 वर्षीय लता की उम्र और सेहत का ख्याल रखते हुए उन्हें आईसीयू में डॉक्टर्स की सख्त निगरानी मे रखा गया है। गतदिवस लता मंगेशकर की सेहत में सुधार देखा गया था, लेकिन लता दी का इलाज कर रहे, डॉक्टर प्रतीत समदानी का कहना है कि उन्हें दुआओं की सख्त जरूरत हैं, जिसके बाद से फैंस उनकी सेहत को लेकर परेशान हैं। लता मंगेशकर की सेहत को लेकर तमाम तरह की अफवाहों के बीच, स्वर कोकिला का इलाज कर रहे डॉक्टर प्रतीत समदानी ने उनका हेल्थ अपडेट दिया है। डॉ समदानी ने कहा, कल से उनकी तबीयत में सुधार है, लेकिन उन्हें आईसीयू में निगरानी में रखा गया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करें। लता दी के फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स लगातार उनकी अच्छी सेहत के लिए दुआएं कर रहे हैं। फैंस चाहते हैं कि जल्द महान गायिका ठीक होकर अपने घर वापस लौट जाए। अनुपम खेर ने लता मंगेशकर की अच्छी सेहत के लिए दुआ की और ट्वीट कर लिखा 'आदरणीय लता मंगेशकर जी, जल्दी स्वस्थ होकर वापस अपने घर आइए। पूरा राष्ट्र आपके ठीक होने की प्रार्थना कर रहा है। डॉ प्रतीत समदानी के इस ट्वीट को स्मृति ईरानी ने रिट्वीट किया और लिखा- 'लता दीदी के परिवार की ओर से अनुरोध है कि अफवाहें न फैलाएं। वह इलाज को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं और भगवान के आशीर्वाद से वह जल्द ठीक होकर घर लौटेंगी। किसी भी तरह के अटकलों से बचें और लता दीदी के जल्द ठीक होने को लेकर प्रार्थना जारी रखें।'

दूसरी डोज लगने के 9 महीने बाद लग रहा तीसरा डोज

-वैक्सीन और प्रीकॉशन डोज लेने का बदला समय

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

नेशनल कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम के तहत 10 जनवरी से हेल्थकेयर वर्कर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल से ऊपर के कोमोरबिड लोगों के लिए प्रीकॉशन डोज शुरू की गई हैं। ये डोज दूसरी डोज लगने के 9 महीने या 39 सप्ताह के बाद लगाई जा रही है। देश में फैल रहे कोरोना संक्रमण के चलते रोजाना लाखों की संख्या में कोविड के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर किसी ऐसे व्यक्ति को जो प्रीकॉशन डोज लेने के योग्य है, उसे अगर कोरोना संक्रमण भी हो जाता है तो क्या उसे प्रीकॉशन डोज लगाई जा सकती है। अगर हां तो इसके लिए कितने दिन का समय अंतराल तय किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से इसके लिए हाल ही में गाइडलाइन जारी की गई है। इसमें बताया गया है कि अगर किसी व्यक्ति को सार्स कोवि-2 का संक्रमण हो जाता है और लेबोरेटरी टेस्ट में यह साबित हो जाता है तो उसे न केवल प्रीकॉशन डोज बल्कि कोरोना वैक्सीनेशन प्रोग्राम की पहली और दूसरी डोज भी रिकवर होने के 3 महीने बाद लगाई जाएगी। बता दें कि भारत में अब तक 8 कोरोना टीकों को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी जा चुकी है ।

कांग्रेस वोट काटने वाली पार्टी: मायावती

प्रियंका के यू-टर्न पर बोली मायावती- लोग अपना वोट खराब न करें

लखनऊ (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के सीएम उम्मीदवार को लेकर दिए गए बयान को वापस लेने पर बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हालत इतनी ज्यादा खस्ताहाल बनी हुई है कि इनकी सीएम की उम्मीदवार ने कुछ घंटों के भीतर ही अपना स्टैंड बदल डाला। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग कांग्रेस को वोट देकर अपना वोट खराब न करें और बसपा को वोट दें। मायावती रविवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर बरसीं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को भी आड़े हाथ लिया। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि 'यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हालत इतनी ज्यादा खस्ताहाल बनी हुई है कि इनकी सीएम की उम्मीदवार ने कुछ घंटों के भीतर ही अपना स्टैंड बदल डाला है। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग कांग्रेस को वोट देकर अपना वोट खराब न करें, बल्कि एकतरफा तौर पर बीएसपी को ही वोट दें।मायावती ने अपने ट्वीट में आगे कहा कि 'यूपी में कांग्रेस जैसी पार्टियां लोगों की नजर में वोट काटने वाली पार्टियां हैं। ऐसे में भाजपा को यूपी की सत्ता से बाहर करके यहां सर्वसमाज के हित में व इनके जाने-परखे नेतृत्व वाली सरकार की जरूरत है, जिसमें बीएसपी का स्थान वास्तव में नम्बर-1 पर है।' बता दें कि कांग्रेस के युवा घोषणापत्र के एलान के दौरान कांग्रेस महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को साफ संकेत दिया था कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा वही हैं। उनके इस बयान के बाद से न सिर्फ उनकी पार्टी बल्कि विपक्षी पार्टियों के बीच भी यह बात चर्चा का मुद्दा बन गई थी।

22 मार्च से दिल्ली से होगा'दिव्य काशी यात्रा' ट्रेन का संचालन

प्रथम और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी में कुल 156 सीट होंगी

वाराणासी (एजेंसी) ।

उत्तरप्रदेश के वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ''दिव्य काशी यात्रा'' ट्रेन का संचालन शुरू होगा। रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। आईआरसीटीसी के जनसंपर्क अधिकारी आनंद झा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ट्रेन को चलाने के संबंध में घोषणा की थी। वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती मांग के मद्देनजर 'दिव्य काशी यात्रा ट्रेन चलाने की तैयारी है, जिसका वाणिज्यिक संचालन दिल्ली से काशी के लिए 22 मार्च से होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन में प्रथम और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी में कुल 156 सीट होंगी। आईआरसीटीसी यात्रियों के लिए चार रात और पांच दिन का यात्रा पैकेज उपलब्ध होगा, जिसमें खाना, रहना और वाराणसी के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर घूमना शामिल है। 156 यात्रियों की क्षमता वाली इस स्पेशल ट्रेन में फर्स्ट एसी का किराया 29950 रुपए प्रति व्यक्ति रखा गया है, जबकि सेकंड एसी के लिए 24500 रुपए प्रति व्यक्ति का किराया निर्धारित किया गया है।इस दिव्य काशी यात्रा में काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वनाथ कॉरिडोर सहित बनारस के तमाम धार्मिक स्थलों का दर्शन और भ्रमण कराया जाएगा। दिव्य काशी यात्रा के तहत श्रद्धालुओं को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर, संकट मोचन मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, भारत माता मंदिर, तुलसी मानस मंदिर आदि मंदिरों में दर्शन पूजन और भ्रमण कराया जाएगा। 22 मार्च को दोपहर 3:00 बजे दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर स्वागत समारोह का आयोजन होगा, इसके बाद 4:00 बजे ट्रेन काशी के लिए रवाना होगी। दूसरे दिन 23 मार्च की सुबह ट्रेन वाराणसी पहुंचेगी जहां से यात्रियों को सारनाथ ले जाया जाएगा।सारनाथ का भ्रमण करने के बाद दोपहर में होटल में आराम के बाद शाम को पर्यटकों को ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर का भ्रमण कराया जाएगा। 24 मार्च की सुबह काल भैरव का दर्शन कराने के बाद काशी विश्वनाथ का दर्शन और नौका विहार कराया जाएगा । इसके बाद शाम को दशाश्वमेध घाट पर विश्व प्रसिद्ध आरती दिखाई जाएगी। 25 मार्च को सुबह संकट मोचन मंदिर तुलसी मानस मंदिर दुर्गा माता मंदिर और भारत माता मंदिर के दर्शन और भ्रमण कराया जाएगे, इसके बाद शाम को सभी पर्यटकों को वाराणसी से दिल्ली वापस ले आया जाएगा। यह ट्रेन 26 मार्च की सुबह दिल्ली वापस पहुंचेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ। - सुभाष चंद्र बोस

संपादकीय

आरक्षण और योग्यता

नीट पीजी परीक्षा में आरक्षण को दो सप्ताह पूर्व झंडी दे चुके सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले की तार्किक व्याख्या व्यापक संदर्भों में की है। दरअसल, इस फैसले में देरी की वजह से जूनियर डाक्टरों ने दिल्ली में व्यापक आंदोलन किया था। उसके बाद सात जनवरी को एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी में 27 फीसदी ओबीसी और दस फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटे को मंजूरी दे दी थी। लेकिन कोर्ट ने तब अपने फैसले की तार्किक व्याख्या नहीं की थी। अब कोर्ट ने आरक्षण की सामाजिक न्याय की अवधारणा समेत तमाम सवालों के जवाब देने का प्रयास किया। सबसे महत्वपूर्ण यह कि योग्यता को प्रतियोगी परीक्षा के नतीजे की संकीर्ण परिभाषा तक सीमित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इन परीक्षाओं से अवसर की औपचारिक समानता ही हासिल होती है। कोर्ट ने कहा कि आरक्षण और योग्यता में कोई अंतर्विरोध नहीं है बल्कि आरक्षण सामाजिक न्याय की अवधारणा को पुष्ट करके योग्यता का संवर्धन ही करता है। दरअसल, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ का मानना था कि स्नातक हो जाने से किसी व्यक्ति की सामाजिक व आर्थिक स्थिति नहीं बदल जाती। उनकी कमजोर पृष्ठभूमि के मद्देनजर आरक्षण देने की जरूरत महसूस होती है। साथ ही यह भी तर्क दिया कि जब अन्य स्नातकोत्तर पाठयक्रमों में आरक्षण लागू है तो नीट में भी दिया जाना चाहिए। दरअसल, अदालत का मानना था कि योग्यता व आरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं। महज प्रतियोगी परीक्षा के ही अंकों को योग्यता का मापदंड नहीं माना जा सकता। उसे सामाजिक रूप से भी प्रासंगिक बनाने की जरूरत है। अदालत ने संविधान निर्माताओं की आरक्षण अवधारणा को पुष्ट करते हुए कहा कि देश में पिछड़ापन दूर करने के लिये आरक्षण देना प्रासंगिक है। अपवाद को स्वीकार करते हुए अदालत का मानना था कि संभव है कि कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं जो पिछड़े न होते हुए भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हों, लेकिन व्यापक अर्थों में आरक्षण की तार्किकता को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल, कोर्ट की यह व्याख्या इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि ओबीसी आरक्षण व आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला अदालत में विचाराधीन होने के बावजूद केंद्रीय परीक्षाओं में इसे लागू करने के लिये अब अदालत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल, अदालत में आरक्षण से जुड़े कई मामलों में याचिका दायर की गई थी। इसमें ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ आठ लाख से कम सालाना आय वालों को दिये जाने के आधार पर सवाल खड़े किये गये थे। दलील दी गई थी कि इतनी आय वाला परिवार आर्थिक रूप से पिछड़ा नहीं हो सकता। इस बाबत केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि यह मानक तार्किक है। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने नीट पीजी की काउंसलिंग से पहले आरक्षण लागू कर दिया था, ऐसे में यह नियम विरुद्ध नहीं कहा जा सकता। साथ की पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में अदालत को पुन- समीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि नीट पीजी में ओबीसी और ईडब्ल्यूएस आरक्षण संवैधानिक रूप से मान्य है। इसी क्रम में कोर्ट ने योग्यता व आरक्षण के मुद्दे पर व्यापक दृष्टि को परिभाषित भी किया। कोर्ट का मानना था कि कोई परीक्षा व्यक्ति की वर्तमान सक्षमता को ही दर्शाती है, उसकी क्षमताओं, उत्कृष्टता व सामर्थ्य को पूरी तरह परिभाषित नहीं करती। इसको समृद्ध करने में अनुभव, बाद का प्रशिक्षण और व्यक्तिगत चरित्र की भी भूमिका होती है। इसके साथ ही मानवीय मूल्यों को जोड़कर अदालत ने टिप्पणी की कि उच्च अंक हासिल करने वाला उम्मीदवार यदि अपनी प्रतिभा का उपयोग अच्छे कार्य करने के लिये नहीं करता तो उसे मेधावी नहीं कहा जा सकता। वैसे योग्यता एक सामाजिक अच्छाई है और इसका संरक्षण जरूरी है।

ब्रह्मोसः भारत की सबसे आधुनिक और तेज क्रूज मिसाइल

– योगेश कुमार गोयल

भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' ने परीक्षण का एक और दौर पार करते हुए भारतीय नौसेना की ताकत को कई गुना बढ़ा दिया है। पश्चिम तट पर तैनात आईएनएस विशाखापत्तनम से हाल ही में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के समुद्र से समुद्र में प्रहार करने वाले आधुनिक संस्करण का परीक्षण किया गया। मिसाइल ने अधिकतम रेंज और सटीकता के साथ निर्धारित लक्ष्य पर निशाना साधते हुए टारगेट शिप के परखच्चे उड़ा दिए। बताया गया है कि इस मिसाइल में 290 किलोमीटर की मूल क्षमता की तुलना में 350-400 किलोमीटर तक प्रहार करने की अधिक क्षमता है। इससे पहले ब्रह्मोस के सतह से सतह पर मार करने वाले नए प्रारूप के भी सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। ब्रह्मोस भारत के लिए सामरिक दृष्टिकोण से कितनी महत्वपूर्ण है, यह इसी से स्पष्ट है कि दुनिया का सबसे बेहतरीन ऑटोमेटिक इलेक्ट्रॉनिक गाइडेड मिसाइल इंटरसेप्ट सिस्टम भी 20-30 ब्रह्मोस मिसाइलों को अकेले नहीं रोक सकता। डीआरडीओ के मुताबिक ब्रह्मोस एक 'प्राइम स्ट्राइक वेपन' है, जिससे हमारे जंगी जहाजों को लंबी दूरी तक सतह से सतह पर वार करने में मदद मिलेगी। ब्रह्मोस की शक्ति का अहसास इससे भी हो जाता है कि चीनी सेना कहती रही है कि भारत द्वारा अरुणाचल सीमा पर ब्रह्मोस की तैनाती किए जाने से उसके तिब्बत और यूनान प्रांत पर खतरा मंडराने लगा है। यह देश की सबसे आधुनिक और दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल मानी जाती है, जो पहाड़ों की ओट में छिपे दुश्मन के ठिकानों को भी निशाना बना सकती है। भारत जिस प्रकार पिछले कुछ दिनों से एक के बाद सफल मिसाइल परीक्षण कर रहा है, वह टाइमिंग के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है और इसे भारत-चीन के बीच गहरा रहे सीमा विवाद के समय में चीन को कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल चुनिंदा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल ब्रह्मोस के सफल परीक्षणों के बाद तो भारत की सामरिक ताकत काफी बढ़ गई है। यह अमेरिका की टॉम हॉक मिसाइल के मुकाबले करीब चार गुना तेजी से हमला कर सकती है। टॉम हॉक के मुकाबले इसकी प्रारंभिक गतिज ऊर्जा करीब 32 गुना अधिक है। दुश्मन के लिए बेहद खतरनाक मानी जाने वाली ब्रह्मोस भारत-रूस के संयुक्त प्रयासों द्वारा विकसित की गई अब तक की सबसे भरोसेमंद आधुनिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली है, जिसने भारत को मिसाइल तकनीक में अग्रणी देश बना दिया है। इसे राफेल तथा सुखोई-30एमकेआई के अलावा नौसेना के मिग-29के में भी तैनात किया जा सकता है। ब्रह्मोस को रूस के एनपीओ मैशिनोस्ट्रोनिया (एनपीओएम) के साथ मिलकर भारत के डीआरडीओ ने तैयार किया है। रूस द्वारा इस परियोजना में प्रक्षेपास्त्र तकनीक उपलब्ध कराई जा रही है जबकि उड़ान के दौरान मार्गदर्शन करने की क्षमता डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। ब्रह्मोस की रेंज पहले 290 किलोमीटर तक थी, जिसे बढ़ाकर 400 किलोमीटर से ज्यादा कर दिया गया है। पलक झपकते ही दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने के लिए ब्रह्मोस को पनडुब्बी, युद्धपोत, लड़ाकू विमान या जमीन से अर्थात् कहीं से भी दागा जा सकता है। यह प्रमुख रूप से पनडुब्बियों, जहाजों और नौकाओं को निशाना बनाने में मददगार साबित होगी। ब्रह्मोस रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ध्वनि की रफ्तार से भी तीन गुना तेजी से अपने लक्ष्य पर वार कर सकती है। इसकी रफ्तार करीब 3457 किलोमीटर प्रति घंटा है और इसकी बड़ी विशेषता यह है कि यह आसानी से दुश्मन के रडार से बच निकलने में सक्षम है। यह मध्यम दूरी तक मार करने वाली रैमजेट इंजन युक्त सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। अभी तक चीन और पाकिस्तान के पास भी ऐसी क्रूज मिसाइलें नहीं हैं, जिन्हें जल, थल और नभ तीनों जगहों से दागा जा सकता है। ब्रह्मोस रडार के साथ-साथ किसी भी अन्य मिसाइल पहचान प्रणाली को धोखा देने में सक्षम है, इसीलिए इसे मार गिराना लगभग असंभव है। डीआरडीओ रूस के सहयोग से ब्रह्मोस की मारक दूरी बढ़ाने के साथ इन्हें हाइपरसोनिक गति पर उड़ाने पर भी कार्य कर रहा है। यह दो सैकेंड के भीतर 14 किलोमीटर की ऊंचाई हासिल कर सकती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हवा में ही रास्ता बदल सकती है और फिर भी अपने निर्धारित लक्ष्य को सटीकता से भेद सकती है। यह अपने लक्ष्य के करीब पहुंचने से महज 20 किलोमीटर पहले अपना रास्ता बदल सकने वाली तकनीक से लैस है। ध्वनि के वेग से करीब तीन गुना अधिक 2.8 मैक गति से अपने लक्ष्य पर जबरदस्त प्रहार करने में सक्षम यह दुनिया में अपनी तरह की ऐसी एकमात्र क्रूज मिसाइल है, जिसे सुपरसॉनिक गति से दागा जा सकता है। इसके दागे जाने के बाद दुश्मन को संभलने का मौका ही नहीं मिलता क्योंकि यह पलक झपकते ही दुश्मन के ठिकाने को नष्ट कर सकती है। रैमजेट इंजन की मदद से इसकी मारक क्षमता को तीन गुना तक बढ़ाया जा सकता है। यदि किसी मिसाइल की क्षमता 100 किलोमीटर दूरी तक है तो उसे इस इंजन की मदद से बढ़ाकर 320 किलोमीटर तक किया जा सकता है। आम मिसाइलों के विपरीत ब्रह्मोस हवा को खींचकर रैमजेट तकनीक से ऊर्जा प्राप्त करती है और 1200 यूनिट ऊर्जा पैदा कर अपने लक्ष्य को तहस-नहस कर सकती है। ब्रह्मोस की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि इसे पारम्परिक प्रक्षेपक के अलावा वर्टिकल अर्थात् नौसैनिक प्लेटफार्म से लंबवत और झुकी हुई दोनों ही अवस्था में दागा जा सकता है और ये हवा में ही मार्ग बदलकर चलते-फिरते लक्ष्य को भेदने में भी सक्षम है। ब्रह्मोस के दागे जाने के बाद लक्ष्य तक पहुंचते-पहुंचते उसका लक्ष्य अपना मार्ग बदल ले तो यह मिसाइल भी उसी के अनुरूप अपना मार्ग बदल लेती है और उसे आसानी से निशाना बना लेती है। बहरहाल, नई तकनीक से विकसित ब्रह्मोस के नए संस्करणों के सफल परीक्षण के बाद भारतीय सेना के तीनों अंगों की मारक क्षमता बढ़ गई है और अब ब्रह्मोस की बदौलत भारत जल, थल तथा नभ तीनों ही जगह अपने लक्ष्य को सटीकता के साथ भेदने की क्षमता हासिल करते हुए दुश्मन के ठिकानों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद करने में सक्षम हो गया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

जैसे हैं, वैसे ही रहें भी, और दिखें भी

प्रकाशनार्थ आलेख/ – डॉ. दीपक आचार्य

जो हम हैं वह हैं ही, यह हमारी मौलिकता ही है कि हम 'हम' हैं। परमात्मा ने जैसा शरीर, मन और बुद्धि प्रदान की है उसी के अनुरूप साँचे में ढले हुए हैं। जैसे भी हम हैं वैसे हैं क्योंकि दुनिया में भगवान ने हर व्यक्ति को अलग मौलिक स्वरूप और गुणधर्म प्रदान किया है। अपनी तरह का कोई दूसरा पूरी दुनिया में नहीं होता। कपाल से लेकर हाथ की लकीरों तक हर कोई अद्वितीय है। इस मायने में विश्व का हर इंसान ईश्वर की अनुपम कृति है और वही उसकी मौलिकता है। फिर किसी के अच्छा कहने से प्रसन्न और बुरा कहने से खिन्न होने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि किसी भी मनुष्य का मूल्यांकन दूसरा ऐसा मनुष्य नहीं कर सकता जो दिव्यत्व और दैवत्व से हीन हो। हालात ये हैं कि हमसे कम पढ़े-लिखे या अनपढ़, प्रतिभाहीन, इंसानियत के दुश्मन और नुगरे नाकारा हमारे बारे में कहते रहने का दुस्साहस करने लगते हैं, इससे बड़ा संसार का आश्चर्य और क्या हो सकता है। बदतमीज और बदमिजाज लोगों की चवन्नियां ही आजकल भौंकने और बकवास का सहारा लेकर चलते लगी हैं। कोई अच्छा कह दें तो हम खुश हो जाते हैं और कोई तनिक सी अनमनी बात कह दे तो दुःखी हो जाते हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि हमारा सुख और दुःख किसी और व्यक्ति के अधिकार में कैद है। अधिकांश लोग झूठी तारीफ सुनकर प्रसन्न हो उठते हैं और जरा सा सच कह दिया जाए तो आगबबूला हो उठते हैं। कोई भी सच को सुनना ही नहीं चाहता। और यही कारण है कि लोग बिगड़ैल होते जा रहे हैं। संसार में हजारों-लाखों बुरे लोग हमें बुरा कहें तो कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि इन्हें हमारे मूल्यांकन का कोई अधिकार है ही नहीं। ये लम्बी-चौड़ी फैली हुई भीड़ तमाशबीन है जो किसी के जनाजे पर भी खुश होती है और शादी-ब्याह पर भी खिन्न हो सकती है। भीड़ का अपना कोई चरित्र कभी नहीं रहा। भीड़ तलाशती है धुँआ, और उस दिशा में बढ़ती रहकर जमा हो जाती है। हमारे मूल्यांकन का अधिकार हमसे श्रेष्ठ व्यक्ति को ही है और उसी के मूल्यांकन पर ध्यान देना चाहिए,शेष सारे तो वाहनों के पीछे दौड़ लगाने वाली प्रजाति का ही हिस्सा हुआ करते हैं। गंभीर चिंतन का विषय तो तब सामने आता है जब वास्तव में अच्छे चरित्र वाला एक भी अच्छा आदमी अपने बारे में निन्दा कर दे। लाखों बुरे लोगों की निन्दा से बेपरवाह रहें, बुरे लोग निन्दा करें तो इसका सीधा सा मतलब यही निकालना चाहिए कि हम अच्छे मार्ग की ओर बढ़ रहे हैं। प्रयास यह करें कि किसी अच्छे आदमी के मन में अपने प्रति नकारात्मक भाव या दुर्भावना न आए। बुरे आदमी जो करें, करने दें, यह निश्चित मान कर चलें कि बुरे लोगों की यह भीड़ अपने पूर्वजन्म में पशुओं के बाड़े का हिस्सा रही होगी। और उसी जंगली बाड़े से निकल कर सीधे इंसान का खोल पा गए इन हिंसक जानवरों से अच्छे कार्यों और सुविचारों की उम्मीद करना ही बेमानी है। बुरे लोगों की प्रशंसा पाने से बचना चाहिए क्योंकि यह उनके जीवन के रोजमर्रा के अभिनय का अंग होता है। हजार बुरे लोग यदि हमें बुरा कहें तो हम पर तनिक भी असर नहीं पड़ना चाहिए लेकिन एक भी सज्जन व्यक्ति हम पर कोई टीका-टिप्पणी करे तो उसे गंभीरता से लेकर हमें अपने कर्म और व्यवहार का ईमानदारी से मूल्यांकन करना चाहिए और उसके बाद ही अपेक्षित सुधारों पर अमल करना चाहिए। जो लोग हमेशा ही निन्दा करते रहते हैं उनके बारे में थोड़ी फुरसत निकाल कर निरपेक्ष भाव से सोचें कि ये लोग हमें ही नहीं बल्कि उनके सम्पर्क में आने वालों से लेकर अनजान लोगों तक के बारे में हमेशा बुरी ही बुरी टिप्पणी करते हैं, नकारात्मक ही सोचते और करते हैं। ऐसे में यह उनकी आदत में शुमार हो चला है जिसका अंत इनके आकस्मिक अथवा खटिया में बरसों तक सड़कर मरने के बाद ही संभव है। इनमें सुधार की कहीं कोई गुंजाईश नहीं होती क्योंकि इनका जिस्म पराए खान-पान, औरों की झूठन एवं खुरचन से बना होता है, जीवन निर्वाह के सारे के सारे साधन या तो मुफतिया हैं अथवा हराम के। दिमाग कचरा घर और दिल सीवरेज लाईन की तरह होता है। इस किस्म के कचरा पात्रों से कोई अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए बल्कि जहां तक हो सके, इनसे दूरी बनाए रखना और हरदम उपेक्षित किए रखना ही सबसे बड़ा उपाय है। यह तो हमारा दुर्भाग्य ही है कि ऐसे लोगों के साथ रहना और काम करना पड़ता है जिन्हें देखने तक में घृणा उत्पन्न होकर घिन्न आती है अन्यथा कोई भी असली इंसान इन लोगों के साथ सम्पर्क या कैसा भी व्यवहार कभी पसंद नहीं करता। फिर आजकल मुफतखोर झूठनजीवियों का संख्या बल भी बढ़ता जा रहा है। समाज की यह भी विडम्बना है कि समझदार लोग इन पर नकेल कसने की बजाय इनका उपयोग पालतू कुत्तों की तरह करते हैं और अपने उल्लू सीधे करते रहते हैं। इस वजह से ऐसे समाजकंटकों को प्रश्रय मिलता है। जमाना यह भी आ गया है कि चोरों को चोर-डकैत न कहकर साहूकार कहो, दुष्टों को सज्जन कहते रहो और महिमा मण्डित करते हुए उन्हें महापुरुषों के मुकाबले दर्शाते रहो, तो सारे खुश। वे लोग धन्य हैं जो इन नाकारा नुगरों का इस्तेमाल करना जानते हैं और अपने पालतु मवेशियों की तरह अपने-अपने बाड़ों में कैद रखकर उल्टे-सीधे कामों में जोत कर जुटे रहते हैं।

आज के कार्टून

विवेक शक्ति

जग्गी वासुदेव

कोई भी नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर आप हर समय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिये नहीं कि नर्क बनाने की संभावना आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति को ज्यादा मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क का फैलाव आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप ऐसा कर सकते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ही। ये सजग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन अगर आप सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में सक्षम है, तो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे कमरे में बैठे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। लेकिन अब आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं जहां प्रकाश का कोई महत्त्व नहीं है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं जाना चाहता है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही जगह है, उसके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो प्रकाश अड़चन है। तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी भौगोलिक दूरी को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल की तरह है- अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर मुड़ना चाहते हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। आप को लगता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर नहीं, चूजा बाहर आएगा पूरी बात यही है। आप यहां बैठ कर अंदर जाना चाहते हैं। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, एक पूरी तरह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो प्रतीक चिह्न है वो सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो बाहर आ रहा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने जिसकी संभावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर आती है। तो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी भी ये काम खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण हैं। आप खुद को कैसे तोड़ पाएंगे? यह कर सकने के लिए आप के पास आवश्यक साहस नहीं है। मन भले कहे,'चलो, इसे तोड़ते हैं, एक चूजा बाहर आएगा'। पर नहीं, आप में ये हिम्मत नहीं होगी कि आप इसे खुद तोड़ सकें।

सू-दोकू नवताल -2029

	7	4	1		2		3	
1			9				7	
9		2			5			6
	9		3			6		
3			2	8	7			5
		7			6		2	
6			4			9		3
	5				9			8
	1		8		3	2	6	

सू-दोकू 2028 का हल

3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2029

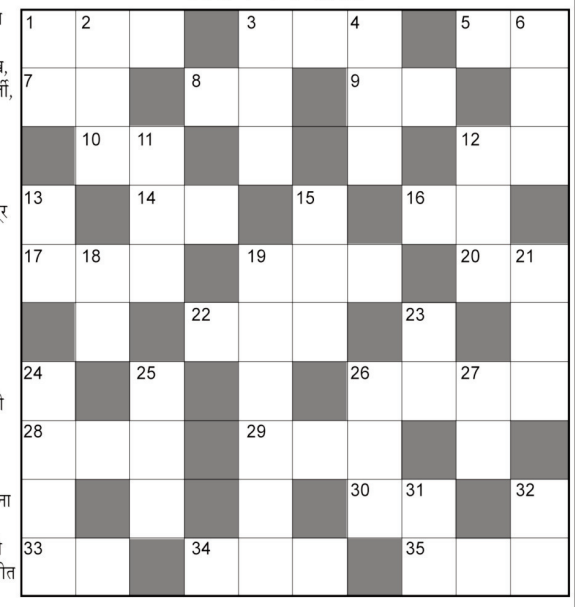

बायें से दायें:-

1. विश्वास पांड्या, अमित गौड़, अलीशा की आने वाली 'दिल की दरो दीवार पे' गीत वाली फिल्म-3
3. 'देखो देखो दिल ये बोले' गीत वाली संजयदत्त, अरशद वारसी की फिल्म-3
5. जायेद खान, उर्मिला की 'तीखी तीखी तीखी' गीतवाली फिल्म-2
7. 'अब सर फूटे या माथा' गीत वाली राजेशखन्ना, की फिल्म-2
8. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली फिल्म-2
9. 'दिल विच तेरा ही खयाल रहंदा' गीत वाली अमिताभ, की फिल्म-2
10. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-2
12. सुनील शेट्टी, सोमीअली की फिल्म-2
14. लारा दत्ता की 'तौबा तौबा इश्क ना करियो' गीत वाली फिल्म-2
16. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
17. 'जॉन जानी जनार्दन' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फिर रात कटी और दिन निकला' गीत वाली अमिताभ बच्चन, शाहरुख, सुनील शेट्टी, रानी मुखर्जी, जूही की फिल्म-3
20. आमिर खान, मनीषा की फिल्म-2
22. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मीकपूर की फिल्म-3
26. संजीव कुमार, विनोद मेहरा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-4
28. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली राजेन्द्र कुमार की फिल्म-3
29. आफताब शिवदासानी की 'जिंदगी बन गए हो तुम' गीत वाली फिल्म-3
30. 'तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-2
33. ऋतिक रोशन, करीना की 'चंदा तारे सुन लें सारे' गीत वाली फिल्म-2
34. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना उठाओ' गीत वाली संजीवकुमार की फिल्म-3
35. सनी देओल, मीनाक्षी की 'यूं ना देखो तसवीर बन के' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. शाहिद, करीना कपूर की फिल्म-2
2. तुषार कपूर, श्रेयस तलपदे, उदिता गोस्वामी, की 'बिन तेरे जीना नहीं' गीत वाली फिल्म-3
3. 'क्या खूब लगती हो' गीत वाली फिल्म-3
4. कुमार गौरव, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'ना सुर ना ताल जरूरी है' गीत वाली फिल्म-3
6. 'किस कारण नैया डोली' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-3
11. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की 'आ दिल से दिल मिला ले' गीत वाली फिल्म-3
12. 'अठरा बरस की कंवारी कली थी' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित की फिल्म-3
13. अमिताभ बच्चन, जीनत अमान की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-2
15. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीप कुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. राकेश रोशन, सिम्मी गरेवाल की 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली फिल्म-2
19. शम्मी कपूर, आशा पारेख की फिल्म-3,2,1
21. अष्मित पटेल, मीरा की 'मेरे दिल में रहो या जिगर में रहो' गीत वाली फिल्म-3
23. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
24. रणबीर कपूर, सोनम कपूर की 'जब से तेरे नैना मेरे नैनों से' गीत वाली फिल्म-4
25. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म 'शालीमार' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन-3
26. राज कपूर, मीना कुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाए' गीत वाली फिल्म-3
27. 'पर्दे में कोई बैठा है पर्दा करके ' गीत वाली अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2
31. अर्जुन रामपाल, जायेद खान, अमीषा पटेल की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
32. फिल्म 'गुलाम' में आमिर खान की नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली-2028

आ	वि	ष्का	र		स	ड़	क		गु
	रु		ज	ल्ला	द		या	श	ना
यु	द्ध		नी		मा	सू	म		ह
वा		सौ	गं	ध		र	त	न	
	बॉ		धा		श	ज		ज	ख्म
म	र्ड	र		धू	म		स	र	
	र		डी		श	र्मी	ली		शा
पु		दि		श	स्त्र		म	वा	ली
का	ज	ल		ग		द			मा
र		से	ह	त		स	र	का	र

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृषि संस्थानों को ड्रोन खरीदने 10 लाख तक अनुदान दिया जाएगा: कृषि मंत्रालय

नई दिल्ली । सरकार आईसीएआर संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को ड्रोन खरीदने के लिए 10 लाख रुपए तक का अनुदान देगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस फैसले के गुणवत्तापूर्ण खेती को बढ़ावा मिलेगा तथा ड्रोन के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने इस क्षेत्र के हितधारकों के लिए ड्रोन तकनीक को किफायती बनाने के दिशानिर्देश जारी किए हैं। बयान के मुताबिक कृषि मशीनीकरण पर उप मिशन (एसएमएएम) के दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया है, जिसमें कृषि ड्रोन की लागत का 100 प्रतिशत तक या 10 लाख रुपए, जो भी कम हो, अनुदान के रूप में दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह धनराशि कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थानों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को ड्रोन की खरीद के लिए अनुदान के रूप में दी जाएगी।

वर्धमान टेक्सटाइल्स का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । वर्धमान टेक्सटाइल्स ने अक्टूबर-दिसंबर 2021 की तिमाही में 431.51 करोड़ रुपए का समेकित कर-पश्चात लाभ कमाने की घोषणा की है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक उसका इस तिमाही में कर-पश्चात लाभ दोगुने से भी अधिक बढ़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में 174.85 करोड़ रुपए का कर-पश्चात लाभ कमाया था। कंपनी की चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कुल आय 2,666.8 करोड़ रुपए रही जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,806.85 करोड़ रुपए रही थी। हालांकि दिसंबर 2021 तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 2,097.62 करोड़ रुपए हो गया जो अक्टूबर-दिसंबर 2020 में 1,588.22 करोड़ रुपए रहा था।

बजाज चेतक और टीवीएस आईक्यूब जंग हुई तेज

-टीवीएस के इलेक्ट्रिक स्कूटर ने बजाज चेतक को पछाड़

नई दिल्ली । बजाज चेतक और टीवीएस आईक्यूब जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर के बीच बाजार पर कब्जे को लेकर जंग तेज हो गई। किस महीने किस कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर की ज्यादा यूनिट बिकी है। हमारे पास पिछले महीने यानी दिसंबर 2021 के आंकड़े हैं और इसमें टीवीएस आईक्यूब क्लियर कट विनर है। इसका मतलब है बजाज चेतक बिक्री के मामले में टीवीएस आईक्यूब से पिछड़ गई है।दिसंबर 2021 की इलेक्ट्रिक स्कूटर सेल्स रिपोर्ट देखें तो टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की कुल 1212 यूनिट बिकी है, जो कि 74 फीसदी से ज्यादा की मंथली ग्रोथ और करीब 2000 फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ है। वहीं, बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की दिसंबर 2021 में कुल 728 यूनिट बिकी और यह 42 फीसदी की मंथली ग्रोथ के साथ है। सालाना ग्रोथ की बात करें तो दिसंबर 2020 में बजाज चेतक की महज 3 यूनिट बिकी थी, वहीं एक साल बाद 2021 में इसकी 728 यूनिट बिकी और यह 24 हजार फीसदी से ज्यादा की एनुएल ग्रोथ से साथ है। ऐसे में प्रीमियम सेगमेंट में इन दोनों स्थापित कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर लोगों को बेहद पसंद आ रहे हैं। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ी-बड़ी कंपनियों के प्रोडक्ट के बीच जंग तेज हो गई है और ये कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के लुक और फीचर्स के साथ ही बैटरी रेंज को लेकर अलग-अलग कंपनियों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

समारा कैपिटल एफआरएल में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करने को तैयार अमेजन

मुंबई ।

अमेजन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर पुष्टि कर दी हैं कि समारा कैपिटल कर्ज में डूबी कंपनी की सभी खुदरा संपत्तियां खरीदने के लिए 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करने को इच्छुक और प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेजन ने खुदरा कंपनी को रविवार तक जांच-परख की रिपोर्ट (खरीदारी से संबंधित वित्तीय ब्यौरा) समारा को सौंपने के लिए कहा है। इसके पहले अमेजन ने 19 जनवरी को एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों से संपर्क कर कंपनी की वित्तीय चिंताओं को दूर करने के लिए मदद की इच्छा जाहिर की थी। इसके जवाब में स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन को 22 जनवरी तक इसकी पुष्टि करने को कहा कि क्या वह 29 जनवरी, 2022 तक एफआरएल के कर्जदाताओं को देने के लिए खुदरा कंपनी में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। अमेजन ने 22 जनवरी को अपने जवाब में कहा,हम पुष्टि करते हैं कि 21 जनवरी, 2022 को आपके पत्र के आधार पर समारा कैपिटल ने एक बार फिर हमें बताया है कि उनकी दिलचस्प है और वह समारा, एफआरएल और एफआरएल के प्रवर्तकों के बीच हस्ताक्षरित 30 जून 2020 की पेशकश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' इस समझौते के अनुसार, 7,000 करोड़ रुपये में खरीद की बात कही गई है।अमेजन ने अपने पत्र में कहा कि समारा समझौते के तहत एफआरएल की सभी खुदरा संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाना है, जिसमें ईजी डे, आधार और हेरिटेज ब्रांड शामिल हैं। यह अधिग्रहण समारा की अगुवाई में भारतीय स्वामित्व और नियंत्रण वाली इकाई द्वारा किया जाएगा, इस अमेजन का समर्थन हासिल होगा।

विश्व बैंक ने पश्चिम बंगाल के लिए 1,000 करोड़ का कर्ज मंजूर किया

कोलकाता । विश्व बैंक ने पश्चिम बंगाल के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपए की ऋण राशि मंजूर की है। यह ऋण मुख्य रूप से राज्य सरकार की सामाजिक सुरक्षा सेवाओं तक गरीब और वंचित तबकों की पहुंच बढ़ाने के लिए दिया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक विश्व बैंक से मिले इस ऋण का उपयोग टेलीमेडिसीन के जरिए चिकित्सा सहायता मुहैया कराने, बुजुर्गों और दिव्यांगों की मदद करने, डिजिटल भुगतान के जरिए लोगों के वित्तीय समावेशन और सार्वजनिक योजनाओं के लाभ के वितरण जैसी सेवाओं को बेहतर बनाने में करेगा। विश्व बैंक ने पश्चिम बंगाल सरकार के लिए 12.5 करोड़ डॉलर (करीब 1,000 करोड़ रुपए) के ऋण को 19 जनवरी को स्वीकृति दी है। इस ऋण से राज्य में गरीबों एवं वंचित समूहों को सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ दिलाने की कोशिश की जाएगी।

लैम्बॉर्गिनी ने कहा- एशिया-प्रशांत के उसके शीर्ष 10 बाजारों में भारत होगा ऊंचे स्थान पर

नई दिल्ली ।

इटली की सुपर लग्जरी कार कंपनी ऑटोमोबिली लैम्बॉर्गिनी ने उम्मीद जताई है कि आने वाले वर्षों में एशिया-प्रशांत के उसके 10 प्रमुख बाजारों की सूची में भारत कहीं ऊंचे स्थान पर होगा। बीते साल लैम्बॉर्गिनी की भारत में बिक्री 86 प्रतिशत बढ़कर 69 इकाइयों की रही है और यह एशिया-प्रशांत में उसके शीर्ष 10 बाजारों में रहा है। हालांकि, शीर्ष तीन बाजारों चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से तुलना की जाए तो भारत काफी पीछे है।चीन दुनिया में कंपनी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार रहा है। 2021 में चीन में कंपनी ने 935 वाहन बेचे हैं। एशिया-प्रशांत के तीसरे सबसे बड़े बाजार दक्षिण कोरिया में बीते साल कंपनी की बिक्री 354 इकाइयों की रही। वहीं थाइलैंड भी 75 इकाइयों की बिक्री के साथ भारत से आगे रहा है। लैम्बॉर्गिनी एशिया-प्रशांत के क्षेत्रीय निदेशक फ्रांसिस्को स्कारदाओनी ने कहा` कि 2021 में एशिया-प्रशांत के लिए शीर्ष 10 देशों में भारत भी है। शीर्ष तीन के अलावा, कंपनी ने शीर्ष 10 बाजारों की रैंकिंग का खुलासा नहीं किया है। लैम्बॉर्गिनी भारत में सुपर लग्जरी कारों की श्रृंखला की बिक्री करती है। इसके वाहनों की कीमत 3.16 करोड़ रुपए से शुरू होती है। कंपनी ने 2021 में देश में अपनी अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की है। उसने 2019 के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। उस साल भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 52 इकाई की रही थी। 2020 में भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 37 वाहन रही थी। स्कारदाओनी ने कहा` कि बाजार के लिहाज से देखें, तो पता चलता है कि भारत कैसे बढ़ रहा है। यह वृद्धि अगले कुछ साल के दौरान भी जारी रहने की उम्मीद है। 2022 और 2023 को लेकर हमारा परिदृश्य काफी सकारात्मक है।

(शेयर बाजार समीक्षा)

कंपनियों के तिमाही परिणाम और कच्चे तेल की कीमतों से शेयर बाजार पर रहेगा असर

मुंबई ।

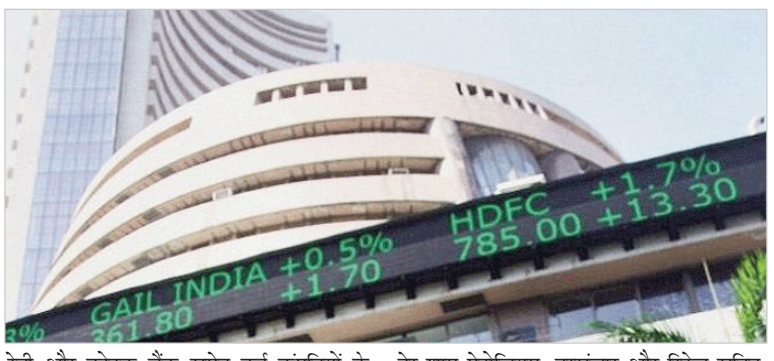

अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में तेज कटौती के संकेत से वैश्विक बाजार में जारी गिरावट से हताश निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक लुढ़के शेयर बाजार पर इस सप्ताह कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम और कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2185.85 अंक यानी 3.57 प्रतिशत लुढ़ककर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे दो सप्ताह के निचले स्तर 59037.18 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 608.5 अंक का गोता लगाकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 17647.25 अंक पर रहा। विश्लेषकों का कहना है` कि इस सप्ताह मारुति, भेल, लार्सन एंड टुब्रो, पीएनबी, एक्सिस बैंक, सिप्ला, फेडरल बैंक, इक्रा, कैनरा बैंक, आरबीएल बैंक, सेंट्रल बैंक, डॉ. रेड्डी और कोटक बैंक समेत कई कंपनियों के वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। साथ ही यमन के हाउती समूह के संयुक्त अरब अमीरात पर किए गए हमले के विरोध में सउदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन की जवाबी कार्रवाई करने तथा रूस और यूक्रेन के बीच की तनातनी से वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधित होने की आशंका में कच्चे तेल में जारी उतार-चढ़ाव का भी बाजार पर प्रभाव रहेगा। इनके अलावा 21 जनवरी को देर शाम पेट्रोलियम, दूरसंचार और रिटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का तीसरी तिमाही का परिणाम जारी हुआ।

इसका असर भी इस सप्ताह बाजार में दिख सकता है। आरआईएल ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 20539 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 14894 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में 37.9 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय स्टार्टअप्स को केन्द्रीय बजट से उद्योग अनुकूल नीतियों और करों में छूट की अपेक्षा

नई दिल्ली।

देश के उभरते स्टार्टअप्स का कहना है कि केन्द्र सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में छोटे कारोबारियों को और सहायता देकर उद्यमियों को सशक्त बनाने के कदम उठाने के अलावा अतिरिक्त स्टार्टअप्स अनुकूल नीतियों तथा कर रियायतों को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा नवाचारों में अधिक खर्च, कारोबार करने में आसानी तथा अन्य लागतों में कमी की भी अपेक्षा सरकार से की गई है। इन्होंने जोर देते हुए कहा है कि नए सुधारों, नीतिगत सहायता और वित्तीय क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाने की तकनीकी नीति से अर्थव्यवस्था को निश्चित तौर पर लाभ होगा। रेजरपे के सीईओ और सह-संस्थापक हर्षिल माथुर ने कहा हमने पिछले एक साल में डिजिटल भुगतान को अपनाने में लोगों में जोरदार रूझान देखा है। मुझे उम्मीद है कि आगामी बजट में, सरकार शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर)नीति के विकल्पों के बारे में सोचेगी। ऐसा करने से ई-भुगतान को बढ़ावा देने और कारोबार में डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले बजट में देश में डिजिटल भुगतान के विकास को और तेज करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये के प्रावधान की घोषणा की थी। माथुर ने कहा कि सरकार के लिए स्टार्टअप्स के लिए अधिक कोष(एफएफएस) में योगदान को बढ़ावा देना और भी वांछनीय होगा। उन्होंने कहा, आसान तरीके से ऋण वितरण, कर अनुपालन , आनलाइन अनुमोदन, और डिजिटल बैंकिंग को अपनाने के लिए प्रोत्साहन भी स्वागत योग्य बदलाव होंगे । इस तरह की पहल एमएसएमई के विकास में योगदान कर सकती है। सरकार ने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए पिछले साल स्टार्टअप्स के लिए टैक्स हॉलिडे क्लेम करने की पात्रता को एक साल बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दिया था। इसके अलावा सरकार ने फंडिंग को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स में निवेश के लिए पूंजीगत लाभ छूट को एक साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2022 कर दिया था। पिछले एक साल में देश में कई स्टार्टअप्स ने अपने कर्मचारियों को कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया है। माथुर ने कहा, इस विकल्प का प्रयोग करते समय कर भुगतान को टालना और कुछ ईएसओपी प्राप्तियों के लिए कर माफ करना भी नए बजट में एक सराहनीय बदलाव होगा। खाताबुक के सीईओ और सह-संस्थापक रवीश नरेश के अनुसार, वह सरकार से एक प्रगतिशील बजट की उम्मीद कर रहे हैं जो भारत में स्वदेशी स्टार्टअप को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र की समस्याओं को हल करने पर विशेष रूप से केन्द्रित हो । नरेश ने आईएएनएस से कहा, नए सुधार, नीतिगत सहायता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधूरी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के एक केंद्रित दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, इसके अलावा, देश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने का सरकार का निरंतर प्रयास वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल पहुंच में समानता की दिशा में प्रगति सुनिश्चित करेगा। पिछले बजट में सरकार ने कहा था कि वह गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) शहर में एक विश्व स्तरीय फिनटेक हब स्थापित करने की सुविधा प्रदान करेगी। सरकार ने अस्थायी तौर पर काम करने वाले गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में मदद करने की दिशा में प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने के लिए एक पोर्टल का भी प्रस्ताव रखा था। सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो के संस्थापक और सीईओ विदित आत्रे ने कहा कि ऑनलाइन वितरण के लिए ऑफलाइन एमएसएमई को बढ़ावा देना भी एक महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर हो सकता है। आत्रे ने आईएएनएस से कहा, हम चाहते हैं कि सरकार उन नीतियों पर ध्यान केंद्रित करे जो 40 लाख रुपये से कम टर्नओवर वाले ऑफलाइन और ऑनलाइन कारोबारियों के लिए समान अवसर पैदा करें।

इस साल सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट से मिल सकते हैं 3 करोड़ रोजगार: टेलीकॉम सचिव

नई दिल्ली ।

दूरसंचार नीति के अनुरूप इस साल देश भर में एक करोड़ सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट स्थापित करने की योजना है।`` जिससे दो-तीन करोड़ रोजगार अवसर` मिलने की संभावना है। दूरसंचार सचिव के राजारमण ने हाल ही में बॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) के एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने वाई-फाई उपकरण निर्माताओं से कहा कि प्रधानमंत्री की वाई-फाई एक्सिस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) योजना के विस्तार के लिए वाईफाई उपकरणों की कीमतें कम करने पर ध्यान दें। प्रत्येक हॉटस्पॉट से रोजगार के 2-3 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने के अनुमान को ध्यान में रखें तो 2022 तक राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति के लक्ष्य के अनुरूप एक करोड़ हॉटस्पॉट के सृजन से सूक्ष्म एवं मझोले क्षेत्रों में नौकरियों के दो से तीन करोड़ अवसर उत्पन्न होंगे। सार्वजनिक वाईफाई हॉटस्पॉट योजना में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की भरपूर संभावना है। यह छोटे स्थानीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के लाखों उद्यमियों को रोजगार के अवसर देने का भी माध्यम बन सकता है। पीएम-वाणी योजना के तहत देश भर में अब तक 56,000 से अधिक वाई-फाई हॉटस्पॉट लगाए जा चुके हैं। राजारमण ने कहा कि विनिर्माताओं को अधिक संख्या में पीएम-वाणी कार्यक्रम से जुड़ना चाहिए। इस मौके पर बीआईएफ ने मेटा (पूर्व में फेसबुक) के साथ साझेदारी में बीआईएफ कनेक्टिविटी एक्सिलेटर प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की। इसके तहत उद्यमी और स्टार्टअप नए किस्म के कनेक्टिविटी समाधान तैयार करेंगे और सार्वजनिक वाईफाई परिवेश को समर्थन देंगे।

वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की मांग में धीरे-धीरे देखा जा रहा सुधार : टाटा मोटर्स

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल प्रमुख टाटा मोटर्स का कहना है` कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की मजबूत मांग के साथ-साथ केंद्र के त्वरित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने से वाणिज्यिक वाहन (सीवी) खंड में धीरे-धीरे सुधार देखा जा रहा है। उनका कहना है` कि विशेष रूप से कोरोना महामारी के चरम के दौरान इस क्षेत्र में एक बड़ी गिरावट देखी गई है। मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन ने निर्माण, खनन और ई-कॉमर्स क्षेत्रों से मांग में धीरे-धीरे सुधार देखा है। कि निर्माण और ई-कॉमर्स क्षेत्र के विकास में पुनरुद्धार के कारण प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। इसके अलावा उन्होंने निकट भविष्य में वाणिज्यिक वाहनों की मांग को बढ़ाने के लिए केंद्र की हाल ही में घोषित पहल जैसे स्क्रैपेज नीति और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई) का हवाला दिया। माल ढुलाई और डीजल की दर में क्रमिक रूप से सुधार हुआ है, जो माल परिवहन की मांग में पुनरुद्धार का संकेत देता है, हालांकि ट्रांसपोर्टर की लाभप्रदता अभी भी तनाव में हो सकती है। बाजार की स्थिति में सुधार हो रहा है और कंपनी आशावादी है क्योंकि बुनियादी ढांचा परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी आई है। सरकार ने वित्त वर्ष 24 तक 102 लाख करोड़ रुपए की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) की घोषणा की और बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के साथ वित्त वर्ष 22 के लिए कैपेक्स आवंटन में सालाना 26 प्रतिशत की वृद्धि शॉर्ट से मध्यम अवधि में एमएंड एचसीवी की वृद्धि का समर्थन करेगी। फिलहाल टाटा मोटर्स के पास बाजार में सबसे बड़ा पोर्टफोलियो है। इसने हाल ही में सेगमेंट में 21 वाहनों का अनावरण किया।

एसोचैम ने सरकार को तांबा कंसन्ट्रेट पर सीमा शुल्क हटाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली ।

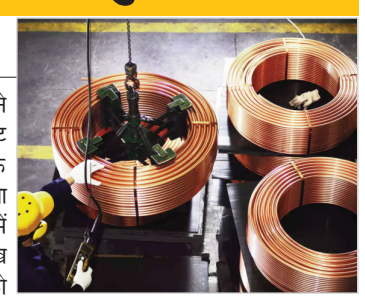

उद्योग मंडल एसोचैम ने सरकार को तांबा कंसन्ट्रेट (सांद्र) पर सीमा शुल्क को हटाने का सुझाव दिया है। तांबा कंसन्ट्रेट उद्योग में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख कच्चा माल है। सरकार को अपनी बजट-पूर्व सिफारिशों में एसोचैम ने कहा है कि उद्योग को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाया जाना जरूरी है। इससे उद्योग को शून्य शुल्क के तहत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों से आयातित मूल्यवर्धित तांबा उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। एसोचैम ने कहा` कि भारत में तांबा कंसन्ट्रेट की अनुपलब्धता को देखते हुए इसके आयात पर शुल्क लगाने का कोई आर्थिक आधार नहीं है। इस पर आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य या समाप्त कर दिया जाना चाहिए। इससे भारतीय उद्योग को एफटीए देशों से आयातित तांबे के मूल्यवर्धित उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। तांबा कंसन्ट्रेट की घरेलू उपलब्धता मात्र पांच प्रतिशत है। ऐसे में भारतीय तांबा उद्योग अपनी जरूरत का 95 प्रतिशत कंसन्ट्रेट आयात करता है। तांबा कंसन्ट्रेट पर फिलहाल सीमा शुल्क 2.5 प्रतिशत है जबकि मुक्त व्यापार समझौतों के तहत परिष्कृत तांबे का भारत में शून्य शुल्क पर आयात हो रहा है। इस तरह यह पूरी तरह से उलट शुल्क ढांचे का मामला बनता है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं जापान, चीन, थाइलैंड और मलेशिया के पास भी पर्याप्त कंसन्ट्रेट नहीं है, लेकिन इन देशों में इसके शुल्क मुक्त आयात की व्यवस्था है। इंडोनेशिया जैसे आपूर्तिकर्ता देशों से निर्यात अंकुशों की वजह से भारत के लिए तांबा कंसन्ट्रेट मंगाना मुश्किल हो रहा है। इंडोनेशिया भारत का एफटीए भागीदार है। ऐसे में भारत के पास एटीएफ मार्ग से चिली से आयात का भी सीमित विकल्प ही बचता है। चिली ने जापान, चीन और अन्य देशों को तांबा कंसन्ट्रेट के निर्यात के लिए दीर्घावधि के अनुबंध किए हैं। वह अपने उत्पादन का 90 प्रतिशत तक निर्यात करता है।

गो फर्स्ट एयरलाइन से 926 में करें हवाई यात्रा!

नई दिल्ली ।

गणतंत्र दिवस के मौके पर तमाम कंपनियां अपने ग्राहकों के लिए तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं। एविएशन कंपनी गो फर्स्ट भी पीछे नहीं है और वह अपने ग्राहकों के लिए सस्ती हवाई टिकट का तोहफा लाई है। कंपनी ने राइट टू फ्लाई सेल नाम से एक ऑफर शुरू किया है। इसके तहत ग्राहकों के बेहद सस्ते में हवाई यात्रा करने का मौका मिल रहा है। इस ऑफर के तहत टिकट की शुरुआत महज 926 रुपए से हो रही है। इस ऑफर का फायदा लेने के लिए 22 जनवरी 2022 से लेकर 26 जनवरी 2022 के बीच टिकट करवानी होगी। यह छूट 11 फरवरी 2022 से 31 मार्च 2022 तक की फ्लाइट पर मिलेगी। इस टिकट के साथ यात्रा करने पर आप 15 किलो तक का बैगेज ले जा पाएंगे। अगर आप इस स्कीम के तहत टिकट बुक कराते हैं तो यात्रा से तीन दिन पहले तक बिना कोई चेंज फीस चुकाए अपनी फ्लाइट टिकट रीशेड्यूल करवा पाएंगे। हालांकि अगर आप टिकट कैंसल करवाना चाहते हैं तो आपको स्टैंडर्ड कैंसिलेशन चार्ज चुकाना होगा। गोफर्स्ट के अनुसार आपको यह छूट सिर्फ घरेलू टिकटों पर मिलेगी, ना कि अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर। इस छूट का फायदा आपको कंपनी की वेबसाइट समेत कहीं से भी टिकट बुक कराने पर मिल जाएगा। हालांकि इस ऑफर के तहत ग्रुप बुकिंग नहीं की जा सकती है। साथ ही किसी अन्य ऑफर के साथ इसे जोड़ा भी नहीं जा सकता है।

सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन

सिंधु ने मालविका को हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी)।

शीर्ष भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने अपने ही देश की मालविका बंसोड़ को आसानी से हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। सिंधु ने महिला एकल में मालविका को सीधे गेम में 21-13 21-16 से हराया। सिंधु ने फाइनल में आधे घंटे से कुछ ही अधिक समय के अंदर जीत हासिल की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का यह दूसरा सैयद मोदी खिताब है। इससे पहले उन्होंने साल 2017 में भी इस बीडब्लयूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में जीत दर्ज की थी।

सिंधु ने अपने अनुभव और कौशल का इस्तेमाल करते हुए मालविका को कोई मौका नहीं दिया। मालविका ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया लेकिन यह ओलंपिक चैम्पियन के स्तर तक नहीं पहुंच पायी। चुनौती देने के लिए पर्याप्त नहीं था। सिंधु ने अपनी लंबाई का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शानदार स्मैश लगाए और कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट खेले जिसका मालविका के पास कोई जवाब नहीं था।

वहीं भारत की ही इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने अपने ही देश के टी हेमा नागेंद्र बाबू और श्रीवेद्या गुराजादा की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता। इशान और तनीषा ने आधे घंटे से भी कम समय में 21-16 21-12 से जीत हासिल की। वहीं कोरोना संक्रमण निकलने के कारण अर्नाड मर्कल और लुकास क्लेयरबाउट के बीच पुरुष एकल खिताबी मुकाबला नहीं हुआ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में सानिया-राम की जोड़ी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न (एजेंसी)।

भारत की सानिया मिर्जा और अमेरिका के उनके जोड़ीदार राजीव राम ने रविवार को यहां सीधे सेट में एलेन पेरेज और मात्वे मिडलकूप को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की गैरवरीय जोड़ी ने कोर्ट नंबर तीन पर दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटा 27 मिनट में आस्ट्रेलिया की पेरेज और नीदरलैंड के मिडलकूप की जोड़ी को 7-6 (8/6),6-4 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में सानिया और राम की भिड़ंत सैम स्टोसुर और मैथ्यू एबडेन तथा जेमी फोरलिस और जेसन कुब्लर की आस्ट्रेलियाई जोड़ियों के बीच होने वाले दूसरे दौर के मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगी। सानिया और राम ने पहले दौर में सर्बिया की एलेक्सांद्रा क्रुनिच और निकोला केसिच की जोड़ी को हराया था।

छह बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सानिया को हालांकि महिला युगल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था। मौजूदा सत्र के बाद संन्यास की घोषणा करने वाली सानिया टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बची हैं। सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में शनिवार को मिश्रित युगल में रोहन बोपन्ना और क्रोएशिया की दारिजा जुराक श्रेबर की जोड़ी पहले दौर में ही हार गई थी।

रिजवान और ब्युमोंट आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर बने

मुबई (एजेंसी)।

दुबई। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और इंग्लैंड की टैमी ब्युमोंट को रविवार को 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का क्रमश- साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला टी20 क्रिकेटर चुना गया। पाकिस्तान के इस सलामी बल्लेबाज ने 2021 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया जबकि ब्युमोंट महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में साल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहीं। रिजवान ने सिर्फ 29 मैच में 73.66 की औसत और 134.89 के स्ट्राइक रेट के साथ 1,326 रन बनाए।

बल्ले से शानदार प्रदर्शन के अलावा रिजवान ने विकेट के पीछे भी प्रभावित किया और उन्होंने पाकिस्तान को टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रिजवान टूर्नामेंट के तीसरे शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी जड़ा और कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ साल के अंतिम टी20 मुकाबले में 87 रन की पारी खेली। अगले साल एक और टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि रिजवान इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे। रिजवान ने टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ 55 गेंद में नाबाद 79 रन भी बनाए थे जिससे पाकिस्तान ने इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ इस वैश्विक टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की थी।

इस बीच ब्युमोंट 2021 में अपनी टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शीर्ष स्कोरर रहीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर कम स्कोर वाली श्रृंखला में ब्युमोंट शीर्ष स्कोरर रहीं और उन्हें तीन मैचों में 102 रन बनाने के लिए श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने भारत के खिलाफ अर्धशतक जड़ा लेकिन निचले क्रम के ध्वस्त होने के कारण टीम को इस मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। ब्युमोंट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी सरजमीं पर भी शानदार प्रदर्शन किया। वह श्रृंखला में 113 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहीं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में 97 रन बनाए जिससे इंग्लैंड ने 2021 में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अपना शीर्ष स्कोर खड़ा किया।

भारत -साउथ अफ्रीका

डी कॉक के शतक की बदौलत भारत को मिला 288 रन का लक्ष्य

मुबई (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मैच केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। द. अफ्रीका ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक (130 गेंदों पर 12 चौकों पर 2 छक्कों की मदद से 124 रन) की शतकीय पारी और रस्सी वैन डेर डूसन (59 गेंदों पर 4 चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत को 288 रन का लक्ष्य दिया है।

वेस्टइंडीज ने पहले टी20 में इंग्लैंड को नौ विकेट से दी मात

ब्रिजटाउन (बारबडोस), (एजेंसी)।

इंग्लैंड को एशेज में करारी शिकस्त के बाद शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और 10 ओवर में टीम ने 39 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मेहमान टीम अंतत- 19.4 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (नाबाद 52) के अर्धशतक की बदौलत 17 गेंद शेष रहते हुए एक विकेट पर 104 रन बनाकर नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की। असमान उछाल वाली पिच पर टॉसकर हारकर बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड ने 10 रन पर तीन और फिर 49 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे जिससे आस्ट्रेलिया में टीम का लचर प्रदर्शन यहां कैरेबिया में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भी जारी रहा। निचले क्रम के बल्लेबाजों क्रिस जोर्डन और आदिल राशिद ने आठवें विकेट के लिए 36 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

जोर्डन 23 गेंद में 28 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। राशिद ने 22 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कप्तान इयोन मोर्गन (17) और जेम्स विन्स (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। सलामी बल्लेबाज किंग ने इसके बाद 49 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 52 रन बनाकर वेस्टइंडीज की आसान जीत का मंच तैयार किया। सलामी बल्लेबाज शाई होप ने 20 जबकि निकोलस पूरन ने नाबाद 27 रन बनाए। दूसरा टी20 रविवार को खेला जाएगा।

नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मेलबर्न। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नडाल ने एड्रियन मनारिनो को सीधे सेट में हराकर नौवीं बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। नडाल ने चौथे दौर के मुकाबले में 7-6 (14), 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। नडाल इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सबसे अधिक बार पहुंचने वालों की सूची में जॉन न्यूकॉम्ब के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं अब तक स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर ने सबसे अधिक 15 बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं नडाल ने 45वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई है और वह सर्वकालिक सूची में फेडरर (58) और नोवाक जोकोविच (51) के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी ऐश बार्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

मेलबर्न। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी ऐश बार्टी ने रविवार को यहां अमांडा एनिसिमोवा पर 6-4, 6-3 की जीत से ऑस्ट्रेलियाई ओपन ग्रैंडस्लैम के महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। एनिसिमोवा ने तीसरे दौर में गत चैम्पियन नाओमी ओसाका को हराकर उलटफेर किया था। बार्टी ने 2019 फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में एनिसिमोवा को हराया था और फिर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी जीता था। बार्टी अब क्वार्टरफाइनल में 21वीं वरीय जेसिका पेगुला से भिड़ेगी जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी को 7-6 6-3 से हराया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच हो सकता है फाइनल में मुकाबला ?

बारबाडोस । अंडर-19 विश्व कप में भारत ओर पाकिस्तान की टीमें अच्छा प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। दोनो ही टीमों ने अपने ग्रुप मुकाबले जीते हैं। पाक की टीम क्वार्टर फाइनल में 28 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। वहीं भारतीय टीम का मुकाबला 29 जनवरी को बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम अगर क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करती है तो सेमीफाइनल में उसकी टक्कर श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी। इस प्रकार भारत और पाक के बीच फाइनल में ही मुकाबला हो सकता है। विश्व कप का फाइनल 5 फरवरी को खेला जाना है ओर ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी कि दोनो टीमें इस मुकाबले में आमने-सामने रहे। भारत ने अब तक चार बार यह खिताब जीता है जबकि पाक ने दो बार। अंडर-19 विश्व कप में दोनों के बीच अब तक 10 बार मुकाबला हुआ है। इसमें दोनों को 5-5 मैच में जीत मिली है।

कप्तान होते हुए आपको चयन की चिंता नहीं होती, अब दबाव महसूस करेगा कोहली: हरभजन

पल्लीकेली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कुछ महीने विवादों के घेरे में रही है। विराट कोहली कुछ महीने पहले भारत के सभी प्रारूप के कप्तान थे, को सभी प्रारूपों में नेतृत्व की भूमिका से मुक्त कर दिया गया है। इस 33 वर्षीय ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 2-1 की हार के बाद टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2021 के बाद टी20 इंटरनेशनल की कप्तानी छोड़ी थी जबकि वनडे से उन्हें हटा दिया गया था। इस मामले पर बोलते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि दाएं हाथ का बल्लेबाज अब दबाव महसूस करेगा। हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि जब कोई कप्तान 7 साल बाद पद छोड़ता है, तो टीम के अंदर और बाहर बहुत से लोग हैरान होते हैं। मैं खुद बहुत हैरान था कि उसने शायद जल्दबाजी में यह फैसला कर लिया। लेकिन जाहिर है कि विराट जानते हैं कि उनके दिल में क्या है, उनकी भविष्य की क्या योजनाएं हैं और वह भविष्य में क्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन जब आप कप्तान होते हैं तो चीजें अलग होती हैं। एक बल्लेबाज के तौर पर उन पर अलग दबाव होगा। हम सभी जानते हैं कि वह एक बड़ा

खिलाड़ी है लेकिन जब आप कप्तान होते हैं तो आपको अपने चयन के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप हमेशा चुने जाते हैं।

विराट पर कप्तानी छोड़ने के लिए दबाव बनाया गया: शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि विराट कोहली को भारतीय टीम की कप्तानी से जबरदस्ती हटाया गया है। विराट ने स्वयं कप्तानी नहीं छोड़ी है। अख्तर ने कहा, विराट ने स्वयं कप्तानी नहीं छोड़ी है बल्कि इसके लिए उनपर दबाव बनाया गया है। यह सभी जानते हैं कि अभी उनका समय अच्छा नहीं चल रहा है पर विराट मानसिक तौर पर मजबूत खिलाड़ी हैं। उनकी क्षमताओं पर किसी को भी संदेह नहीं करना चाहिये। वह एक महान क्रिकेटर हैं। उनके लिए भी अचानक यह सब होना किसी झटके से कम नहीं होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट बॉटम हैंड से ज्यादा खेलते हैं और ऐसे में जब वह फॉर्म में नहीं होते हैं तो यह परेशानी और ज्यादा बढ़ती है। मुझे भरोसा है कि वह अच्छी वापसी करेंगे। उन्हें अब इस विवाद को छोड़कर केवल अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिए। उनके लिए अब अवसर है कि वह अपने को एक बार फिर साबित करें।

द्रविड़ को साबित करना होगा उन्हें कोच के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया गया

मस्कट (एजेंसी)।

मस्कट। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का मानना है कि विराट कोहली का कप्तानी युग खत्म होने के बाद भारत दोराहे पर है जिससे राहुल द्रविड़ के सामने यह साबित करने की बड़ी चुनौती है कि उन्हें कोच के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया गया। एकदिवसीय टीम की कप्तानी छीने जाने के कुछ हफ्तों बाद कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 1-2 की हार के बाद सभी को हैरान करते हुए सबसे लंबे प्रारूप में भी कप्तानी छोड़ दी। अख्तर ने यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट टी20 टूर्नामेंट के इतर पीटीआई से कहा, ''मुझे नहीं पता कि सौरव गांगुली (बीसीसीआई अध्यक्ष) और अन्य लोग क्या सोचते हैं।

लेकिन निश्चित तौर पर भारतीय क्रिकेट शिखर (दोराहे) पर है।'' कार्यकाहक कप्तान लोकेश राहुल की अगुआई में भारत ने दक्षिण अफ्रीका दौर पर एकदिवसीय श्रृंखला भी गंवाई जो राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले नए कोचिंग प्रबंधन के मार्गदर्शन में पहले ही विदेशी दौरे पर पहली हार है। अख्तर ने कहा, ''नहीं, भारतीय क्रिकेट नीचे नहीं गिरने वाला। आपको स्थिति को संभालना होगा। राहुल द्रविड़ के सामने बड़ी चुनौती है।'' उन्होंने कहा, ''उम्मीदकरता हूं कि लोग ये नहीं कहेंगे कि कोच के रूप में उसे बढ़ा-चढ़कर पेश किया गया और बेशक उसे रवि शास्त्री की जगह लेनी है जिन्होंने काफी अच्छा काम किया। उसके सामने बड़ी चुनौती है, देखते हैं वह कैसा प्रदर्शन करता है।''

भारत ने पहला टेस्ट जीता था लेकिन अगले दो टेस्ट गंवा दिए जिससे दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला जीतने का उसका सपना एक बार फिर टूट गया। कोहली को 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की जगह भारत का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था और उन्होंने अपने अभियान का अंत भारत के सबसे सफल कप्तान के रूप में किया। तैंतीस साल के कोहली ने टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था जिसके बाद उन्हें एकदिवसीय टीम के कप्तान के रूप में भी हटा दिया गया जिससे उनके और बीसीसीआई के आला अधिकारियों के बीच मतभेद उजागर हुए। अख्तर को इसकी उम्मीद थी क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय ड्रेसिंग रूम में विभाजन देखा था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है। उस समय मैं दुबई में था और मुझे इसकी पूरी जानकारी है। मुझे पूरे मामले की जानकारी थी और भारत में अपने मित्रों के जरिए पता था कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में क्या चल रहा था।'' अख्तर ने कहा, ''ऐसे लोग थे जो उसके खिलाफ थे। इसलिए मैं कप्तानी छोड़ने के उसके फैसले से हैरान नहीं था। यह आसान काम नहीं होता।''

भारत को इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाजों ने आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में कुछ यादगार जीत दिलाई हैं और अख्तर ने कहा कि तेज गेंदबाजों को उसी तरह बदलना पड़ता है जैसे गाड़ी के टायर बदलने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, ''उन्होंने काफी अच्छी प्रगति की। मैं काफी प्रभावित हूं, उम्मीद करता हूं कि उपमहाद्वीप से ऐसे और तेज गेंदबाज आते रहेंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।''

लीजेंड्स लीग क्रिकेट : ताहिर की शानदार बल्लेबाजी से वर्ल्ड जायंट्स जीती

मस्कट । इमरान ताहिर की शानदार बल्लेबाज से वर्ल्ड जायंट्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया महाराजा को हरा दिया। ताहिर के नाबाद अर्धशतक से वर्ल्ड जायंट्स ने इंडिया महाराजा से मिले 210 रनों के जीत के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इंडिया महाराजा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नमन ओझा के शानदार शतक 140 रनों की सहायता से 20 ओवरों में 3 विकेट पर 209 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए जायंट्स ने सात विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। इस प्रकार जायंट्स को पहली जीत मिली है। इस मैच में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हुआ क्योंकि मैच में कुल 31 छक्के लगे।

इस मैच में जायंट्स के कप्तान डेरेन सैमी ने टॉस जीतकर इंडिया महाराज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। महाराज की शुरुआत अच्छी नहीं रही ओर सलामी बल्लेबाज वसीज जाफर खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद एस बद्रीनाथ भी शून्य पर ही आउट हो गये। नमन और कप्तान मोहम्मद कैफ ने तीसरे विकेट के लिए 187 रन बनाकर टीम को 200 रन के ऊपर पहुंचाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विंड चाइम कहां और कैसे लगाएं

विंड चाइम के एक अलग स्वरूप का भारत में प्राचीन काल से ही उपयोग होता आया है। दरअसल, यह बौद्ध संस्कृति की देने है। चायनीज ज्योतिष फेंगशुई में विंड चाइम का बहुत महत्व है। आओ जानते हैं इसके 10 खास चमत्कारिक फायदे।

क्या होती है विंड चाइम

छोटी-छोटी घंटियों के बंच को विंड चाइम कहते हैं। यह कई प्रकार की घंटियों से बनती है। इसीलिए यह कई तरह की वैरायटी में मिलती है। जैसे गोल स्तूप जैसी घंटी, हिन्दू मंदिरों की घंटियों जैसी घंटी या पतली नली वाली। भारी, हल्की, बड़ी, छोटी और रंगीन कई तरह की घंटियां बाजार में मिलती है जिन्हें पवन घंटी भी कहते हैं। इसके आलावा मेटल, क्रिस्टल, बांस, लकड़ी और फाइबर के विंड चाइम देखने को मिलते हैं। साथ ही मिट्टी के विंड चाइम भी मौजूद हैं। इनमें बांस और मिट्टी के विंड चाइम की विशिष्ट आवाज के कारण आजकल ये बहुतायत प्रयोग किए जा रहे हैं।

कहां लगाएं :

- इसे घर के मुख्य दरवाजे, मध्य के दरवाजे या खिड़कियों में लटकाते हैं।
- फूलों और पक्षियों के साथ भी इनका मधुर रिश्ता है। इस कारण लोग बकायदा इसे अपने छोटे से गार्डन और लॉन में छोटे पेड़-पौधों के साथ लगा देते हैं।
- टैरेस, दरवाजे, गार्डन या फिर लॉन में पेड़-पौधों में लगाकर प्रकृति के मधुर संगीत का मजा ले सकते हैं।
- हर तरह की विंड चाइम लगाने की दिशा और स्थान अलग अलग होते हैं। जैसे धातु से बनी विंड चाइम हमेशा पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाएं, क्योंकि इन दिशाओं में यह भाग्योदय कराती हैं।
- पवन घंटी हमेशा सकारात्मकता ही पैदा करती हैं, आप चाहें तो इसे साज-सज्जा के रूप में लिविंग रूम में भी लगा सकते हैं।
- कांच की बन पवन घंटियां भी घर की शोभा बढ़ा सकती है, लेकिन यह अगर भारी हुई तो मधुर आवाज पैदा नहीं करेंगी।

विंड चाइम लगाने के फायदे

- इससे घर के अंदर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।
- घर में खुशियों का माहौल बना रहता है और रिश्तों में सुधार होता है। इसकी मधुर आवाज माहौल को खुशनुमा बनाए रखती है।
- इससे घर में सुख, शांति और संपन्नता आती है।
- इससे वास्तु दोष मिटता है और भाग्योदय होता है। अगर आप अपना सोया हुआ भाग्य जगाना चाहते हैं तो 6 या 8 रॉड वाली पवन घंटी लाकर घर में लगाएं।
- इससे घर की सुंदरता बढ़ती है।
- लकड़ी की बनी पवनघंटी प्राकृतिक दिखने के साथ ही घर-गृहस्थी के मामले में शुभ मानी जाती है। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना हमेशा शुभ होता है।
- नाम और पैसे की चाहत हो, तो घर के उत्तर-पश्चिम में पीले रंग की 6 रॉड वाली पवन घंटी लगाएं।
- इसी प्रकार 2 या 9 घंटियों वाली सेरेमिक की बनी पवन घंटी आपको मान-प्रतिष्ठा और यश प्रदान करती है। इसे घर में दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाना शुभ होता है।
- अगर अपना सामाजिक दायरा बढ़ाना चाहते हैं, तो सिल्वर रंग की 7 रॉड लगी पवन घंटी को घर की पश्चिम दिशा में लगा सकते हैं।
- अलग-अलग रंगों वाली रंगबिरंगी पवनघंटी माहौल को खुशनुमा बनाए रखती है और जीवन में खुशियां भर देती हैं।

षटतिला एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है। वर्ष 2022 में पहले माह यानी जनवरी का यह दूसरा एकादशी व्रत है, जो कि शुक्रवार को मनाया जाएगा।

षटतिला एकादशी कब है, व्रतकथा सहित जानिए मंत्र, शुभ मुहूर्त, महत्व पूजा विधि और पारण का समय

वर्ष 2022 में शुक्रवार, 28 जनवरी को षटतिला एकादशी मनाई जाएगी। इस एकादशी का अपने नाम के अनुसार ही तिल का बहुत महत्व माना गया है। इस दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है। वर्ष 2022 में पहले माह यानी जनवरी का यह दूसरा एकादशी व्रत है, जोकि शुक्रवार को मनाया जाएगा। माघ मास के इस एकादशी के व्रत से सभी पापों का नाश होता है।

पूजा विधि

- माघ मास की दशमी, एकादशी के दिन मनुष्य को स्नान आदि करके शुद्ध रहना चाहिए।
- इंद्रियों को वश में करके काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या तथा द्वेष आदि का त्याग कर भगवान का स्मरण करना चाहिए।
- एकादशी के दिन सफेद तिल का उबटन लगाकर पानी में तिल मिलाकर स्नान करना चाहिए।
- स्नानादि नित्य क्रिया से निवृत्त होकर श्री विष्णु भगवान का पूजन करें और एकादशी व्रत धारण करें।
- इस दिन तिल स्नान और तिलयुक्त भोजन का दान दोनों ही श्रेष्ठ हैं। इस प्रकार जो मनुष्य जितने तिलों का दान करता है, उतने ही हजार वर्ष स्वर्ग में वास करता है।
- एकादशी तिथि के दिन पुण्य देने वाले नियमों को ग्रहण करें।
- उसके दूसरे दिन धूप-दीप, नैवेद्य आदि से भगवान का पूजन करके खिचड़ी का भोग लगाएं।
- फिर पेठा, नारियल, सीताफल या सुपारी का अरघ्य देकर स्तुति करें- हे भगवान! आप दीनों को शरण देने वाले हैं, इस संसार सागर में फंसे हुओं का उद्धार करने वाले हैं। हे पुंडरीकाक्ष! हे विश्वभावन! हे सुब्रहमण्य! हे पूर्वज! हे जगत्पते! आप लक्ष्मीजी सहित इस तुच्छ अरघ्य को ग्रहण करें।
- इसके पश्चात जल से भरा कुंभ (घड़ा) ब्राह्मण को दान करें तथा ब्राह्मण को श्यामा गौ और तिल पात्र देना भी उत्तम है।
- इस व्रत के करने से अनेक प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं तथा मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- अगर पुष्य नक्षत्र में गोबर, कपास और तिल मिलाकर बने कंडों से 108 बार हवन करने से जीवन में पुण्य का उदय होता है तथा श्री विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।
- इस दिन रात्रि को जागरण करना चाहिए।
- इस दिन 1.तिल स्नान, 2.तिल का उबटन, 3.तिल का हवन, 4.तिल का तर्पण, 5 तिल का भोजन और 6.तिलों का दान- ये तिल के 6 प्रकार हैं। इनके प्रयोग के कारण यह षट्तिला एकादशी कहलाती है तथा इसका बहुत पुण्य प्राप्त होता है।

पूजन के मुहूर्त

एकादशी की तिथि- माघ कृष्ण एकादशी।
शुक्रवार, 28 जनवरी को षट्तिला एकादशी तिथि 2.16 मिनट शुरू होगी तथा रात्रि 1135 मिनट पर एकादशी समाप्त होगी।
अत: षटतिला एकादशी व्रत 28 जनवरी ही को रखा जाएगा।
इस दिन पूजन के लिए विशेष तौर पर अभिजित और विजय मुहूर्त बन रहे हैं।
इसमें अभिजित मुहूर्त दोपहर 12.13 मिनट से दोपहर 12.56 तक।
विजय मुहूर्त दोपहर 222 मिनट से दोपहर 3.05 मिनट तक रहेगा।
शुक्रवार को राहुकाल का समय- प्रात:10:30 से दोपहर 12:00 तक रहेगा। इस समय पूजन न करें।
षट्तिला एकादशी पारण/व्रत तोड़ने का समय- 29 जनवरी को 07.11 सुबह से 09:20 सुबह तक।
पारण तिथि द्वादशी समाप्त होने का समय - 08:37 पी एम

मंत्र

1.ऊँ हूं विष्णवे नम:।
2. ऊँ नारायणाय नम:।
3.ऊँ विष्णवे नम:।
4.ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नम:।
5.ऊँ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नम:
6.ऊँ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।
7.ऊँ नमो नारायण। श्री मन नारायण नारायण हरि हरि।

षटतिला एकादशी कथा

षट्तिला एकादशी की कथा के अनुसार प्राचीन काल में मृत्युलोक में एक ब्राह्मणी रहती थी। वह सदैव व्रत किया करती थी। एक समय वह एक मास तक व्रत करती रही। इससे उसका शरीर अत्यंत दुर्बल हो गया। यद्यपि वह अत्यंत बुद्धिमान थी तथापि उसने कभी देवताओं या ब्राह्मणों के निमित्त अन्न या धन का दान नहीं किया था। इससे मैंने सोचा कि ब्राह्मणी ने व्रत आदि से अपना शरीर शुद्ध कर लिया है, अब इसे विष्णुलोक तो मिल ही जाएगा परंतु इसने कभी अन्न का दान नहीं किया, इससे इसकी तृप्ति होना कठिन है।
भगवान ने आगे कहा- ऐसा सोचकर मैं भिखारी के वेश में मृत्युलोक में उस ब्राह्मणी के पास गया और उससे भिक्षा मांगी। ब्राह्मणी बोली- महाराज किसलिए आए हो? मैंने कहा- मुझे भिक्षा चाहिए। इस पर उसने एक मिट्टी का ढेला मेरे भिक्षापात्र में डाल दिया। मैं उसे लेकर स्वर्ग में लौट आया। कुछ समय बाद ब्राह्मणी भी शरीर त्याग कर स्वर्ग में आ गई।
उस ब्राह्मणी को मिट्टी का दान करने से स्वर्ग में सुंदर महल मिला, परंतु उसने अपने घर को अन्नादि सब सामग्रियों से शून्य पाया। घबरा कर वह मेरे पास आई और कहने लगी कि भगवन मैंने अनेक व्रत आदि से आपकी पूजा की, परंतु फिर भी मेरा घर अन्नादि सब वस्तुओं से शून्य है। इसका क्या कारण है?
इस पर भगवान कहा- पहले तुम अपने घर जाओ। देवस्त्रियां आएंगी तुम्हें देखने के लिए। पहले उनसे षटतिला एकादशी का पुण्य और विधि सुन लो, तब द्वार खोलना। मेरे ऐसे वचन सुनकर वह अपने घर गई। जब देवस्त्रियां आईं और द्वार खोलने को कहा तो ब्राह्मणी बोली- आप मुझे देखने आई हैं तो षट्तिला एकादशी का माहात्म्य मुझसे कहो। उनमें से एक देवस्त्री कहने लगी कि मैं कहती हूं। जब ब्राह्मणी ने षट्तिला एकादशी का माहात्म्य सुना तब द्वार खोल दिया।
देवांगनाओं ने उसको देखा कि न तो वह गांधर्वी है और न आसुरी है वरन पहले जैसी मानुषी है। उस ब्राह्मणी ने उनके कथनानुसार षट्तिला एकादशी का व्रत किया। इसके प्रभाव से वह सुंदर और रूपवती हो गई तथा उसका घर अन्नादि समस्त सामग्रियों से युक्त हो गया। अत: मनुष्यों को मूर्खता त्याग कर षट्तिला एकादशी का व्रत और लोभ न करके तिलादि का दान करना चाहिए। इससे अनेक प्रकार के कष्ट, दुर्भाग्य, दरिद्रता दूर होकर मोक्ष मिलता है।

संत रविदास और कबीरदास जी के गुरु रामानंद के बारे में रोचक बातें

रामानंद अर्थात रामानंदाचार्य एक महान संत थे। वे वैष्णव भक्तिधारा के महान संत हैं। उन्होंने उत्तर भारत में वैष्णव सम्प्रदाय को पुनर्गठित किया तथा वैष्णव साधुओं को उनका आत्मसम्मान दिलाया। स्वामी रामानंदाचार्य का जन्म माघ माह की कृष्ण सप्तमी को हुआ था। आओ जानते हैं उनकी महानता की खास बातें।

जन्म के 3 वर्ष तक नहीं निकले घर से बाहर

रामानंद का जन्म प्रयाग में हुआ था। वशिष्ठ गोत्र कुल के होने के कारण वाराणसी के एक कुलपुरोहित ने मान्यता अनुसार जन्म के तीन वर्ष तक उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने और एक वर्ष तक आईना नहीं दिखाने को कहा था। जहां रामानंद का जन्म हुआ उस स्थान को वर्तमान में श्री मठ प्राकट्य धाम कहा जाता है।

आठ वर्ष की उम्र में बने संत

आठ वर्ष की उम्र में उपनयन संस्कार होने के पश्चात उन्होंने वाराणसी पंच गंगाघाट के स्वामी राघवानंदाचार्यजी से दीक्षा प्राप्त की। तपस्या तथा ज्ञानार्जन के बाद बड़े-बड़े साधु तथा विद्वानों पर उनके ज्ञान का प्रभाव दिखने लगा। इस कारण मुमुक्षु लोग अपनी तृष्णा शांत करने हेतु उनके पास आने लगे।
बारह महान गुरुओं के गुरु थे रामानंद
रामानंदजी 1.संत अनंतानंद, 2.संत सुखानंद, 3.सुरासुरानंद , 4.नरहरीयानंद, 5.योगानंद, 6.पिपानंद, 7.संत कबीरदास, 8. संत सेजान्हावी, 9.संत धन्ना, 10.संत रविदास, 11.पद्मावती और 12.संत सुरसरी के गुरु थे।

राम रक्षा स्तोत्र उन्होंने लिखा

स्वामी रामानंद ने अनेक ग्रंथ लिखे थे। जिनमें से श्रीवैष्णव मताब्ज भास्कर, श्रीरामार्चन-पद्धति प्रमुख है। इसके अलावा गीताभाष्य, उपनिषद-भाष्य, आनन्दभाष्य, सिद्धान्त-पटल, राम रक्षा स्तोत्र, योग चिन्तामणि, रामाराधनम्, वेदान्त-विचार, रामानन्दादेश, ज्ञान-तिलक, ग्यान-लीला, आत्मबोध राम मन्त्र जोग ग्रन्थ, कुछ फुटकर हिन्दी पद और अध्यात्म रामायण भी है।

योगबल शक्ति से बादशाह को झुकाया

कहते हैं कि उनके काल में मुस्लिम बादशाह गयासुद्दीन तुगलक ने हिंदू जनता और साधुओं पर हर तरह की पाबंदी लगा रखी थी। इन सबसे छुटकारा दिलाने के लिए रामानंद ने बादशाह को योगबल के माध्यम से मजबूर कर दिया था और अंतत: बादशाह ने हिंदुओं पर अत्याचार करना बंदकर उन्हें अपने धार्मिक उत्सवों को मनाने तथा हिंदू तरीके से रहने की छूट दे दी थी।
उन्हें भक्ति आंदोलन का महान संत माना जाता है। अवध चक्रवर्ती दशरथ नन्दन राघवेन्द्र की भक्ति के प्रवाह से उन्होंने भक्त आंदोलन को बढ़ाकर प्राणियों के मन को निर्मल कर दिया था। निम्नलिखित वाक्य उन्होंने ही कहा था कि.
जाति पाँति पूछै ना कोई।
हरि को भजै सो हरि का होई।
रामानंदाचार्य की धार्मिक परंपरा और संप्रदाय के अनुसार उन्होंने ईस्वी 1410 में देह त्याग दी थी।

माघ मास में किए जाते हैं कौन से 10 पुण्य के काम

माघ मास को बहुत ही पवित्र माह माना जाता है। इस माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अत: माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है। आओ जानते हैं कि माघमास में कौनसे 10 पुण्य के काम किए जाते हैं।

- **माघ स्नान**
इस मास में शीतल जल के भीतर डुबकी लगाने वाले मनुष्य पापमुक्त हो जाते हैं। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान**
माघ माह में कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तिल का महत्व**
माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए।
- **व्रत**
माघ महीने की शुक्ल पंचमी से वसंत ऋतु का आरंभ होता है और तिल चतुर्थी, रथसप्तमी, भीष्माष्टमी आदि व्रत प्रारंभ होते हैं। माघ शुक्ल चतुर्थी को उमा चतुर्थी कहा जाता है। शुक्ल सप्तमी को व्रत का अनुष्ठान होता है। उक्त दिनों में व्रत रखने से सभी तरह के संकट दूर होकर पुण्य की प्राप्ति होती रहै।
- **विष्णु पूजा**
माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है। उपरोक्त बताए गए व्रतों में भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **कल्पवास**
माघ माह में कल्पवास का बहुत महत्व है। नदी के तट पर साधुओं के साथ कुटिया बनाकर कुछ विशेष दिनों तक रहने को कल्पवास कहते हैं। इससे सांसारिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।
- **सत्संग**
इस माह में संतों के साथ सत्संग करने और धर्म, कर्म की बातों को ग्रहण करने के बहुत महत्व होता है। इससे मन निर्मल होकर पुण्य की प्राप्ति होती है। सत्संग से धर्म का ज्ञान प्राप्त होता है। धर्म के ज्ञान से जीवन की बाधाओं से मुकाबला करने का समाधान मिलता है।
- **स्वाध्याय**
स्वाध्यय के दो अर्थ है। पहला स्वयं का अध्ययन करना और दूसरा धर्मग्रंथों का अध्ययन करना। आप स्वयं के ज्ञान, कर्म और व्यवहार की समीक्षा करते हुए पढ़ें, वह सब कुछ जिससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता हो साथ ही आपको इससे खुशी भी मिलती हो।
- **दीपदान**
माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तर्पण**
माघ माह में अमास्या और पूर्णिमा के दिन पितरों के निमित्त तर्पण करना चाहिए क्योंकि इस पवित्र माह में पितरों को मुक्ति मिलती है। यह पुण्य का सबसे बड़ा कार्य है।

माघ माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अत: माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है।

सार समाचार

अमेरिका-कनाडा सीमा पर गिरफ्तार महिला का हाथ आंशिक रूप से काटना पड़ेगा

न्यूयार्क। अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले और अमेरिका-कनाडा सीमा से गिरफ्तार किये गए सात में से दो भारतीय, 'फ्रॉस्टबाइट' (बेहद ठंड) के कारण गंभीर रूप से घायल हैं और उनमें से एक महिला का हाथ आंशिक रूप से काटना पड़ेगा। अदालत में पेश किये गए एक दस्तावेज से यह जानकारी सामने आई। अमेरिका मिनेसोटा की एक अदालत में बृहस्पतिवार को 47 वर्षीय अमेरिकी नागरिक स्टीव शैंड के विरुद्ध एक आपराधिक याचिका दायर की गई थी। शैंड पर मानव तस्करी करने का आरोप है। शैंड को 19 जनवरी को अमेरिका-कनाडा सीमा पर दो भारतीयों को सीमापार पहुंचाने के लिए गिरफ्तार किया गया था जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। शिकायत दस्तावेज में उक्त दो भारतीय नागरिकों की पहचान 'एस पी' और 'वाई पी' के रूप में की गई है। शिकायत में यह भी कहा गया कि शैंड को गिरफ्तार किये जाने के दौरान पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था जो अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे थे। इस बीच, दस्तावेज में यह भी सामने आया कि पिछले एक महीने में अमेरिका-कनाडा सीमा पर मानव तस्करी की तीन अलग-अलग घटनाएं हुई, जहां अधिकारियों ने इस सप्ताह सात भारतीयों को गिरफ्तार किया था और चार अन्य के शव बरामद किये। तस्करी की उक्त घटनाएं 12 जनवरी 2022 और पिछले साल 12 दिसंबर तथा 22 दिसंबर को हुई।

सिंगापुर में हुई ओमीक्रोन से पहली मौत

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से मौत का पहला मामला सामने आया है। मीडिया में आयी खबरों में इसकी जानकारी दी गयी है। संक्रमण से 92 साल की महिला की मौत हुयी है। महिला का टीकाकरण नहीं हुआ था। चैनल न्यूज एशिया ने अपनी खबर में बताया कि महिला की 20 जनवरी को मौत हुयी। दस दिन पहले परिवार के एक सदस्य के संपर्क में आने के बाद वह संक्रमित पाई गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, जांच करने पर, डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला है कि उसकी मौत ओमीक्रोन से हुयी है। मंत्रालय ने कहा कि महिला का टीकाकरण नहीं हुआ था और उसका कोई मेडिकल इतिहास नहीं था। इस बीच, सिंगापुर में शुक्रवार को कोविड के 3,155 नए मामले सामने आए, जिसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 307,813 हो गयी। वहीं, देश में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 846 हो गई है।

चीन में ओलंपिक खिलाड़ियों के साथ हो रही बेईज्जती, कोरोना टेस्ट के लिए प्राइवेट पार्ट से लिया जा रहा नमूना

बीजिंग। दुनिया में कोरोना महमारी तेजी से फैलने के लिए चीन को जिम्मेदार माना जा रहा है। वुहान से फैला यह वायरस अब पूरे देश में फैल चुका है। वायरस चीन से फैला है या नहीं इस बात को तो यह देश कभी नहीं मानेगा लेकिन पूरी दुनिया इसी देश पर महामारी के फैलने का टीकरा फोड़ रही है। वैक्सीन के आने के बाद भी कोरोना के नया संक्रमण आते जा रहा है। डेल्टा के बाद अब ओमिक्रोन वेरिएंट के आने से कई लोगों की मौत हो गई है। चीन में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के आने के बाद से काफी तबाही मच गई है। हाल के दिनों में कोरोना के मामलों में काफी इजाफा हुआ है। इस बीच चीन की राजधानी बीजिंग में शीतकालीन ओलपिंक शुरू होने वाले है और चीन खिलाड़ियों और एथलीटों के साथ काफी सख्ती से पेश आ रही है। बताया जा रहा है कि, बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन खिलाड़ियों और एथलीटों का कोरोना टेस्ट कराएगा लेकिन इसमें सबसे शर्मनाक बात यह है कि, खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट करने के लिए सैंपल उनके प्राइवेट पार्ट से लिया जा रहा है। पिछले साल भी चीन ने एनल स्वैब टेस्ट किया था जिससे वह काफी विवादों में आ गया था। अब जब ओलंपिक के लिए खिलाड़ी आए है तो उन्हें इस शर्मनाक टेस्ट से गुजरना पड़ेगा। चीन इस विवादित टेस्ट को काफी सुरक्षित और सही तरीका बता रहा है।

ऐसे होता है एनल टेस्ट

चीन में कोरोना का एनल टेस्ट काफी विवादित है। इसमें कोरोना से संक्रमित इंसान के प्राइवेट पार्ट के 5 सेंटीमीटर अंदर तक टेस्टिंग किट को घुसाया जाता है। जांच से पहले स्वेब किट को तोड़ दिया जाता है। इससे पहले भी चीन ऐसे टेस्ट के लिए खबरों में बना था जिससे काफी विवाद हुआ था। जानकारी के लिए बता दें कि, चीन में 4 फरवरी से शीतकालीन ओलपिंक है और इससे पहले कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। चीन अपनी सुरक्षा के लिए एनल स्वैब टेस्ट कर रहा है और पूरे बीजिंग में लॉकडाउन लागू कर दिया है। लोग राशन तक लेने के लिए बाहर नहीं निकल सकते है।

तुर्की के राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप में पत्रकार को जेल भेजा

अंकारा । तुर्की की अदालत ने देश के राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप में जानी-मानी पत्रकार सेडेफ कबास को जेल भेजा है। कबास को इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। हैरत की बात हैं कि तुर्की की अदालत ने मुकदमा चलाए बिना ही उन्हें जेल भेजने का आदेश दे दिया।कबास पर आरोप है, कि उन्होंने विपक्ष से जुड़े लाइव कार्यक्रम के दौरान एक कहावत के द्वारा तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को टारगेट किया था।

तुर्की में राष्ट्रपति का अपमान करने पर एक से चार साल की जेल की सजा का प्रावधान है। कबास ने कहा था,एक बहुत प्रसिद्ध कहावत है, कि जिसके सिर पर ताज होता है, वह समझदार हो जाता है। लेकिन जैसा कि हम देख रहे हैं यह सच नहीं है।उन्होंने कहा कि एक बैल के महल में घुसने से वह राजा नहीं बन जाता बल्कि महल खेत बन जाता है। कबास ने बाद में कहावत को ट्विटर पर भी पोस्ट किया था।

एर्दोगन के मुख्य प्रवक्ता फहार्टिन अल्टुन ने महिला पत्रकार की टिप्पणियों को 'गैर-जिम्मेदाराना' बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'एक तथाकथित पत्रकार एक टीवी चैनल पर हमारे राष्ट्रपति का खुले तौर पर अपमान कर रहा है, जिसका सिवाय नफरत फैलाने के कोई दूसरा लक्ष्य नहीं है।अपने बयान में कबास ने राष्ट्रपति का अपमान करने के इरादे से इनकार किया।वहीं एडिटर ने कबास की गिरफ्तारी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि एक कहावत के लिए रात को 2 बजे उनकी गिरफ्तारी अस्वीकार्य है।यह रवैया पत्रकारों, मीडिया और समाज को डराने का एक प्रयास है। अगस्त 2014 में देश के पहले सीधे-निर्वाचित राष्ट्रपति बनने से पहले एर्दोगन 11 साल तक तुर्की के प्रधानमंत्री के पद पर रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद से हजारों लोगों पर एर्दोगन का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। 2020 में आरोपों से संबंधित 31,000 से अधिक जांचें दर्ज की गई।

पिछले महीने खबर आई थी कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एदोर्गान को जान से मारने की कोशिश की गई है। तुर्की की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने एक कार से बम बरामद किया था जिसे देश के दक्षिणीपूर्वी प्रांत सिर्त में एदोर्गान के काफिले में तैनात किया जाना था। सिर्त में एक कार्यक्रम में एदोर्गान को शामिल होना था। जानकारी के मुताबिक बम को पुलिस की सुरक्षा कार के नीचे लगाया गया था। तुर्की की पुलिस ने यह खुलासा ऐसे समय पर किया जब देश की अर्थ?यवस?था रसातल में पहुंच गई है और एदोर्गान आलोचना के घेरे में हैं। तुर्की की पुलिस के बम डिस्पोजल दस्ते ने बम को न?ट कर दिया था और इसे फरेंसिक एव?सपर्ट के पास जांच के लिए भेज दिया गया था।

यमन में एक हिरासत केन्द्र हवाई हमले के बाद मलबे के ढ़ेर में बदल गया।

रूस ने यूक्रेन तनाव के बीच अपनाया कड़ा रूख

मास्को, (एपी) यूक्रेन की सीमा पर हजारों सैनिक तैनात कर चुके रूस ने शीतयुद्ध के बाद से अपने एवं पश्चिमी शक्तियों के बीच के सबसे गंभीर सुरक्षा संकट के मध्य अपने अगले कदम को लेकर अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को दुविधा में डाल दिया है। यूक्रेन पर आसन्न हमले की आशंका के बीच रूस ने इस क्षेत्र में और सैन्याभ्यास करने की घोषणा कर अपना रूख कड़ा कर लिया है। उसने कैरिबियाई क्षेत्र में सैन्य तैनाती की संभावना से भी इनकार किया है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी शक्तियों के विरोधी नेताओं से संपर्क साधा है।

सैन्य जोर आजमाइश शीतयुद्ध के समापन के बाद नाटो के दशकों से चल रहे विस्तार को थामने की क्रेमलिन की कोशिश का दशार्ता है। अमेरिका के साथ वार्ता के दौरान रूस ने इस बात की कानूनी गारंटी की मांग की कि नाटो यूक्रेन या सोवियत संघ का हिस्सा रहे किसी भी अन्य देश को अपना हिस्सा नहीं बनाएगा तथा वहां हथियार तैनात नहीं करेगा। वह यह भी चाहता है कि नाटो मध्य एवं पूर्व यूरोप के उन देशों से अपने सैन्यबल को वापस बुलाए जो 1990 के दशक में उससे जुड़े थे। पुतिन ने यूक्रेन एवं अन्य देशों में नाटो की हथियारों की तैनाती को रूस के लिए ह्यखतरे की घंटीह्न करार दिया एवं चेतावनी दी कि यदि रूस की मांगें नहीं मानी जाती है तो वह अनिर्धारित ह्यसैन्य-तकनीकी उपायोंह्न का आदेश देंगे।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने रद्द की अपनी शादी, कोरोना वायरस के प्रतिबंधों के चलते लिया फैसला

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। (एजेंसी)

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा आर्डेन ने बढ़ते कोरोना वायरस के कारण अपनी शादी रद्द कर दी है। राष्ट्र ने कोविड -19 के नये वैरियंट ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा करने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं। इस पाबंदियों के अनुसार ही पीएम ने भी अपनी शादी डाल दी है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मेरी शादी आगे बढ़ रही है।' उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के परिदृश्य में फंसने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए खेद है। अर्डर्न ने अपनी शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया था, लेकिन अफवाह थी कि यह हाल ही में होने वाली थी। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि लंबे समय से साथी और फिशिंग-शो होस्ट क्लार्क गेफोर्ड से अपनी शादी को रद्द करने के बारे में उन्हें कैसा लगा, अर्डर्न ने जवाब दिया ₹ऐसा ही जीवन है।' न्यूजीलैंड में शादी समारोह में शामिल होने ऑकलैंड गए एक ही परिवार के नौ लोगों के कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए जाने के बाद नए कोविड-19 प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। देश की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने रविवार को यह घोषणा की। न्यूजीलैंड में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए रंग आधारित नीति के तहत सोमवार से ' रेड सेटिंग' प्रभावी होगी जिसके तहत मास्क पहनने की जरूरत और समागम में लोगों की संख्या सीमित करने जैसे उपाय शामिल हैं।

अर्डर्न ने जोर देकर कहा कि 'लाल का अभिप्राय लॉकडाउन नहीं है'। उन्होंने कहा कि कारोबार खुले रह सकते हैं और लोगों को अपने मित्रों और परिवारवालों के साथ मिलने-जुलने तथा देश में घूमने की स्वतंत्रता होगी। अर्डर्न ने वेलिंगटन में संवाददाताओं से कहा, 'हमारी योजना डेल्टा स्वरूप की तरह शुरूआती दौर में ही ओमीक्रोन के संक्रमण को रोकने की है, जिसमें हम तेजी से जांच करेंगे, संपर्क में आए लोगों का पता लगाएंगे, उन्हें अलग करेंगे ताकि ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा किया जा सके।' न्यूजीलैंड उन कुछ देशों में शामिल हैं, जहां पर ओमीक्रोन ने महामारी का स्वरूप नहीं लिया है, लेकिन अर्डर्न ने स्वीकार किया कि इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की वजह से प्रसार को रोकना मुश्किल है।

शोधकताओं ने ओमिक्रॉन के खास म्यूटेशन की पहचान की

उद्देश्य वायरस को पहचानना और बंधने की प्रक्रिया को रोकना

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

भारतीय मूल के शोधकताओं की एक टीम ने ओमिक्रॉन के खास तरह के म्यूटेशन की पहचान की है, जो ओमिक्रॉन से संक्रमण की उच्च दर का कारण बन रहे हैं। नतीजा यह समझने में मदद करता है कि कोविड-19 का नया स्वरूप मानव शरीर में पहले से मौजूद एंटीबॉडी या वैक्सीनेशन से या स्वाभाविक रूप से कैसे बचा सकता है। यूएस में यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी के कमलेंद्र सिंह ने कहा, हम जानते हैं कि वायरस समय के साथ विकसित होते हैं और म्यूटेशन प्राप्त करते हैं, इसलिए जब हमने ओमिक्रॉन वेरिएंट के बारे में सुना, तो हमने इसके विशिष्ट म्यूटेशन की पहचान करना चाहा।

जर्नल ऑफ ऑटोइम्यूनिटी में प्रकाशित शोध के निष्कर्ष में टीम ने दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और अमेरिका सहित दुनियाभर से प्राप्त ओमिक्रॉन के नमूनों के प्रोटीन अनुक्रमों का विश्लेषण किया। टीम ने ओमिक्रॉन के लिए विशिष्ट 46 अत्यधिक प्रचलित म्यूटेशन की पहचान की, जिसमें वायरस के स्पाइक मानव शरीर के प्रोटीन वाले उस हिस्से में पाए गए, जहां एंटीबॉडी संक्रमण को रोकने के लिए वायरस पर असर डालती है। सिंह ने कहा, एंटीबॉडी का उद्देश्य वायरस को पहचानना और बंधने की प्रक्रिया को रोकना है, जिससे संक्रमण रुक जाता है।₹उन्होंने कहा, ₹हालांकि, हमने पाया कि ओमिक्रॉन वेरिएंट में कई बार म्यूटेशन होना ठीक वही स्थित है, जैसे एंटीबॉडी को बांधना। इसलिए हमने दिखाया है कि वायरस कैसे विकसित होकर संभावित रूप से बच सकता है या एंटीबॉडी से बच सकता है, और इसलिए इतने सारे लोग संक्रमित हो रहे हैं।

नेताजी सिंगापुर के इतिहास का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितना भारत के इतिहास में

सिंगापुर (एजेंसी)

सिंगापुर के प्रसिद्ध लेखक असद लतीफ ने स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि नेताजी सिंगापुर के इतिहास का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितना भारत के इतिहास में उनका योगदान है। लतीफ ने कहा, बोस द्वारा भारतीय स्वतंत्रता लीग और आजाद हिंद फौज (आईएनए) के पुनरोद्धार से वास्तव में मलया (दक्षिण एशिया के मलय प्रायद्वीप में ऐतिहासिक राजनीतिक संगठन) लोक राजनीति का आगमन हुआ क्योंकि उन्होंने मजदूरों के साथ काम किया और उनमें सम्मान के दुलर्भ भाव को जगाया। लतीफ ने कहा, उन्होंने भारत और सिंगापुर दोनों जगह साम्राज्यवादी पकड़ को नष्ट किया। रैफल्स (सिंगापुर के संस्थापक सर स्टैनफोर्ड रैफल्स) के विपरीत नेताजी भारत की तरह सिंगापुर के इतिहास का भी हिस्सा हैं।'

'नेताजी इन द इंडियन मेकिंग ऑफ सिंगापुर' किताब पर प्रस्तुति देकर लतीफ ने कहा, 'रोचक तथ्य है कि 1867 तक भारत सरकार के बंदरगाहों में कलकत्ता के बाद दूसरा स्थान सिंगापुर बंदरगाह का था। संक्षेप में कहें,तब सिंगापुर औपनिवेशिक भारत का विस्तार था।' उन्होंने कहा, 'सिंगापुर के निर्माण में भारतीयों का प्रभाव अमिट है।' लतीफ ने रेखांकित किया कि ब्रिटिश राज ने औपनिवेशिक सिंगापुर का निर्माण लंदन के बजाय कोलकाता से किया था। कोलकाता में जन्मीं और सिंगापुर में रह रहीं लेखिका नीलांजना सेनगुप्ता ने भी नेताजी की सिंगापुर में भूमिका पर प्रकाश डालाकर रेखांकित किया कि नेताजी ने सिंगापुर में प्रभावशाली चेट्टियार समुदाय के दुर्गा पूजा के निमंत्रण को अस्वीकार कर कहा था कि वह इसतरह के धार्मिक स्थल में प्रवेश नहीं कर सकते, जहां न केवल अन्य धर्मों के भारतीयों को प्रवेश नहीं दिया जाता, बल्कि हिंदुओं की कथित निम्न जातियों के प्रवेश पर भी रोक है।

शिनजियांग में उइगरों के चीनी दमन का समर्थन कर रहा पाकिस्तान, रिपोर्ट में किया गया दावा

बीजिंग (एजेंसी)

पाकिस्तान कभी भी मुस्लिम समुदायों के खिलाफ अत्याचार के लिए अन्य देशों की निंदा करने से नहीं कतराता है, हालांकि वो शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के दमन में चीन की मदद कर रहा है। कनाडा स्थित थिंक टैंक इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी ने अपने रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन की आर्थिक वृद्धि और विशेष रूप से चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) में अपने निवेश के कारण उसे शिनजियांग प्रांत में उइगरों के उत्पीड़न समेत मानवाधिकार उल्लंघन के अन्य मामलों को छुपाने का अभूतपूर्व मौका दिया है।

26 ब्लैक लिस्टेड देशों में पाकिस्तान

चीनी अधिकारियों ने पाकिस्तान को 26 ब्लैक लिस्टेड देशों की शिनजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र (अफ) सूची में शामिल किया था। ब्लैकलिस्टिंग का मतलब है कि इन ब्लैक लिस्टेड देशों में किसी के साथ संपर्क या दौरा या पारिवारिक संबंध या कोई संचार करने वालों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए और वे एक्सएआर अधिकारियों के निशाने पर आ जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों और उइगरों के बीच वैवाहिक संबंध वर्षों से होते रहे हैं और उनके बीच काराकोरम हाईवे के जरिये व्यापार भी होता रहा है।

वैवाहिक संबंध नहीं होते

पाकिस्तान में एक घटना में, सिकंदर हयात और गुलाम दुरानी को उनकी पत्नियों से अलग कर दिया गया था क्योंकि वे उइगर थीं। पत्नियों को एक्सएआर में चीनी अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिया गया था, जब वे शिनजियांग गईं। इसके बाद, हयात का बेटा जो एक्सएआर में अपनी मां का समर्थन करने गया था, दो साल तक अपने पिता से नहीं मिल पाया। इसके अलावा, दुरानी की पत्नी 2017 से हिरासत में है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में टीटीपी से ज्यादा खतरनाक आईएसआईएस

पिछले साल अगस्त में काबुल में अफगानिस्तान के कई शहरों में सुरक्षा अधिकारियों पर किए गए थे हमले

पेशावर (एजेंसी)

अफगानिस्तान में सक्रिय इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएसआईएस के) ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की तुलना में पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की शांति और अखंडता के लिए कहीं अधिक बड़ा खतरा पैदा किया है। प्रांतीय पुलिस प्रमुख ने यह बात कही है। पिछले साल अगस्त में काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के कई शहरों में हमले तेज करने वाले आईएस-के. ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों पर आतंकवादी हमलों को भी अंजाम दिया था। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस प्रमुख मोअज्जम जाह अंसारी ने कहा कि हाल के दिनों में आईएस-के. ने इस प्रांत की शांति और सुरक्षा को टीटीपी की तुलना में अधिक खतरा पैदा किया है। पिछले साल अक्टूबर में आईएस-के. ने प्रांतीय राजधानी में सरदार सतनाम सिंह (खालसा) नामक एक प्रसिद्ध सिख हकीम की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी। वह यहां यूनानी चिकित्सा पद्धति से लोगों का इलाज किया करते थे। अक्टूबर और नवंबर के महीनों में प्रांत के विभिन्न हिस्सों में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है, जो अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है। यह एक दशक से अधिक समय में पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दे चुका है, जिनमें हजारों लोगों की मौत हुई है। यह कथित तौर पर अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के लिए करता है। टीटीपी के आतंकी पाकिस्तानी सेना पर हमला कर इमरान सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। इससे पहले भी इन आतंकियों ने इमरान खान के गृह राज्य खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान समेत कई प्रांतों में आतंक मचाया हुआ

था। पिछले एक महीने से शांति समझौते के कारण टीटीपी के हमले बंद थे।

डॉक्टर ने चाय में अपना स्पर्म डालकर महिला को पिलाया

-ब्रिटेन में एक डॉक्टर की करतूत

लंदन । ब्रिटेन में एक डॉक्टर की करतूत से हर कोई हैरान है। इस डॉक्टर ने कुछ ऐसा किया कि सुनकर किसी को भी शर्म आ जाए। 54 वर्षीय डॉ निकोलस जॉन चैपमन ने एक महिला को चाय के कप में वीर्य डालकर दे दिया। इस मामले के सामने आने के बाद डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया गया। इस मामले को लेकर पीड़ित महिला ने कोर्ट में डॉक्टर के खिलाफ केस किया। हालांकि सुनवाई के बाद कोर्ट ने डॉक्टर को सशर्त जमानत दे दी।54 वर्षीय, डॉ निकोलस जॉन चैपमन नॉर्थ कैरी हेल्थ सेंटर में पदस्थ था। जिसे इस मामले के सामने आने के बाद सस्पेंड कर दिया। हालांकि इस डॉक्टर ने अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया है। इस केस को लेकर सोमरेस्ट में मजिस्ट्रेट के सामने सुनवाई हुई। जहां इस डॉक्टर पर महिला की सहमति लिए बिना अप्रत्यक्ष रूप से सैक्सुल एक्टिविटी को अंजाम देने का आरोप लगा। पीड़ित महिला के वकील ने दोनों मजिस्ट्रेट को बताया कि, महिला ने जब डॉक्टर द्वारा किए ड्रिंक को खत्म किया, तो उसके बाद कप में उसे संदेहास्पद पदार्थ दिखाई दिया। इस बात की शिकायत पुलिस से की गई। 3 दिन बाद जब लैब रिपोर्ट आई तो उसमें इस पदार्थ की पुष्टि डॉक्टर के वीर्य के तौर पर हुई। वहीं इस डॉक्टर के वकील ने आरोपों को निराधार बताया। सुनवाई के बाद साउथ अफ्रीका के रहने वाले इस डॉक्टर को कोर्ट सशर्त जमानत दे दी। जिसमें कहा गया कि वह इस मामले में शामिल किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेताजी की जंयती पर ममता की पीएम मोदी से मांग

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करे

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश के महान नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में घोषणा की है कि 23 जनवरी से नेताजी की जयंती के दिन से गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन शुरू होगा। इसके बाद सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरह से नेताजी के नाम को भुनाने की कोशिश में लगी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नरेंद्र मोदी सरकार से मांग की है, कि नेताजी की जयंती के दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित करे। ममता ने कहा है कि पूरे देश के लोग अपने महान राष्ट्रनायक को श्रद्धांजलि दें, इसके लिए जरूरी है कि नेताजी जन्मदिवस के दिन राष्ट्रीय छुट्टी घोषित की जाएं। उन्होंने कहा कि अपने नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सबसे बेहतर तरीका यह होगा इस दिन को देशनायक दिवस के रूप में मनाकर इस दिन पूरे देश में छुट्टी हो। शनिवार को नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रैली का आयोजन किया था। इसमें तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेता, विधायक सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। इससे पहले सवा बारह बजे सायरन भी बजाया गया, 23 जनवरी 1897 को इसी समय बोस का जन्म हुआ था। रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हम सिर्फ चुनाव के समय नेताजी की जयंती नहीं मनाते।इस बार हम उनकी 125वीं जयंती बहुत बड़े पैमाने पर मना रहे हैं।रवीन्द्रनाथ टैगोर ने नेताजी को देशनायक बताया था।इसलिए हमने इस दिन को देशनायक दिवस बनाने का फैसला किया है। इधर, दिल्ली के इंडिया गेट पर 'नेताजी' की प्रतिमा स्थापित करने के मोदी सरकार के फैसले से सुभाष चंद्र बोस का परिवार खुश है।नेताजी की बेटी अनिता बोस फाफ ने कहा है कि सुभाष चंद्र बोस भारतीयों के दिलों में रहते थे और रहते हैं, वे आगे भी देश के लोगों के दिलों में रहने वाले है। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने नेताजी की प्रतिमा के बहाने भाजपा पर तंज कसा है।पार्टी ने नेताजी की प्रतिमा लगाने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए राष्ट्रवादी नेता बोस पर आधारित पश्चिम बंगाल की झांकी को खारिज किए जाने के बाद हो रही आलोचना का मुकाबला करने के लिए यह कदम उठाया है।

शामली पहुंचे शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए चुनाव जीतने के गुरुमंत्र

शामली (एजेंसी) ।

केंद्रीय गृहमंत्री बीजेपी के चाणक्य अमित शाह शनिवार को उत्तरप्रदेश के दौरे पर थे। कैराना यात्रा समाप्त होने के बाद शाह ने शामली में भाजपा कार्यकर्ताओं को विधानसभा सीटें कैसे जीतें और पश्चिमी यूपी में अच्छा मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आगामी चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और बागपत और शामली में अच्छा मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम संभव तरीके से कैसे योगदान दिया जाए, इसके बारे में शाह ने कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया।सूत्रों ने कहा, हर भाजपा कार्यकर्ता को घर-घर जाकर प्रचार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों के मुताबिक यूपी के शामली जिले के कैराना में अमित शाह ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ क्लोज डोर मीटिंग की। उन्होंने कहा शाह ने आगामी चुनावों के बारे में चर्चा की। बैठक का उद्देश्य भाजपा कार्यकर्ताओं को घर-घर प्रचार के महत्व के बारे में बताना था। बैठक लगभग 45 मिनट तक चली और लगभग 75 कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हुई। कुछ लोग बैठक में वर्चुअल माध्यम से भी शिरकत किए। बीजेपी नेता ने कहा, ÷हर पार्टी कार्यकर्ता को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मतदान प्रतिशत कैसे अच्छा हो। मतादाताओं से संपर्क और सभी परिवारों तक जाने के लिए कहा गया। इस दौरान उन्हें सरकार की उपलब्धियों और योगदान के बारे में बताने के भी कहा गया।÷

पहली और दूसरी लहर के मुकाबले इसबार 23.4 प्रतिशत मरीजों को पड़ी ऑक्सीजन सपोर्ट की जरुरत

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में कोरोना की तीसरी लहर का कहर जारी है, लेकिन हमारे लिए सुकून की बात यह है कि इस बार कोविड पहली या दूसरी लहर की तुलना में कम घातक है।ताजा अध्ययन में पता चला है कि इस बार कोरोना पीड़ित चार में से एक से भी कम मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ी। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान संक्रमित अधिकांश लोगों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ती थी। पिछले साल अप्रैल में ऑक्सीजन के लिए पूरे देश में हाहाकार मच गया था और अस्पतालों में हजारों लोगों की जान सिर्फ इसलिए चली गई थी क्योंकि उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिला पाया था। डाटा विश्लेषण के आधार पर कहा है कि पिछले साल अप्रैल से मई के दौरान कोरोना संक्रमित चार में से तीन व्यक्ति को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी।पहली लहर के दौरान जितने लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उनमें से 63 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया था जबकि पिछले साल दूसरी लहर के दौरान 74 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी। पहली और दूसरी लहर से तुलना में इसबार सिर्फ 23.4 प्रतिशत मरीजों को ही ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ रही है।

यूपी में भाजपा 300 से अधिक सीटें जीतेगीःडिप्टी सीएम दिनेश शर्मा

-सपा, बसपा और कांग्रेस सहित दूसरे दल सिमट कर रह जाएंगे

आगरा (एजेंसी)।

यूपी के डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा ने दावा किया कि भाजपा राज्य विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतेगी। शर्मा ने दावा करते हुए कहा, दस मार्च को शंखनाद होगा, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और वह दिन विपक्ष के लिए निराशा भरा होगा। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस सहित दूसरे दल सिमट कर रह जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के सवाल पर शर्मा ने कहा, ''इसका कोई फर्क नहीं पडने वाला और भाजपा आगरा की सभी सीटें जीतेगी और दूसरे जिलों में भी ऐसा ही होगा।''शर्मा ने दावा किया, ''सपा-रालोद गठबंधन का कोई असर नहीं है। सपा की लड़ाई बसपा से है और बसपा की कांग्रेस से है। ये दल आपस में लड़ रहे हैं।

अदिति सिंह की प्रियंका गांधी को रायबरेली से चुनाव की चुनौती

40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने के वादे पर भी किया तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रायबरेली सदर से बीजेपी की प्रत्याशी अदिति सिंह ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने जहां प्रियंका गांधी को अपने खिलाफ लड़ने की चुनौती दी है, वहीं कांग्रेस के लड़की हूं लड़ सकती हूं कैंपने को कोरा नारा बताया है। अदिति सिंह ने कहा कि एक बार प्रियंका मेरे खिलाफ लड़ लेंगी तो बहुत कुछ साफ हो जाएगा और यह भी सबको पता चल जाएगा कि रायबरेली अब कांग्रेस का गढ़ नहीं है। गौरतलब है कि रायबरेली से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सांसद हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यूपी में इसी एकमात्र सीट पर सफलता मिली थी। एक और गढ़ मानी जाने वाली अमेठी सीट से राहुल गांधी बीजेपी की स्मृति ईरानी से हार गए थे। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में अदिति सिंह ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर रायबरेली से 90 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से विधानसभा चुनाव जीता था। अदिति के पिता अखिलेश कुमार सिंह अलग-अलग पार्टियों और निर्दलीय के रूप में रायबरेली सदर से पांच बार विधायक चुने गए थे। 2019 में अखिलेश सिंह के देहांत के बाद अदिति इस बार बिना पिता के साए के अपनी नई पार्टी भाजपा से इस सीट से मैदान में हैं। अदिति सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने यह मान लिया था कि अमेठी और रायबरेली की जनता उसके साथ ही रहेगी और कुछ नहीं किया। एक के बाद एक चुनावों में लगातार कांग्रेस को यहां से जीत मिली लेकिन इन दोनों जगहों की जनता के लिए उन लोगों ने कुछ भी नहीं किया। अदिति सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार इतिहास बनेगा और पहली बार रायबरेली सदर में कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि 10 मार्च के परिणाम के बारे में सोचकर मैं उत्साहित हूं। अदिति ने कहा, मैं उनके रायबरेली से लड़ने का स्वागत करूंगी। यूपी में महिलाओं को 40 प्रतिशत सीटें देने और कांग्रेस के कैंपेन लड़की हूं लड़ सकती हूं पर भी अदिति ने तंज कसा। उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक स्लोगन के अलावा कुछ नहीं है क्योंकि जमीन पर कांग्रेस के लिए कुछ भी नहीं है।

पहली और दूसरी लहर के मुकाबले इसबार 23.4 प्रतिशत मरीजों को पड़ी ऑक्सीजन सपोर्ट की जरुरत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया भर में कोरोना की तीसरी लहर का कहर जारी है, लेकिन हमारे लिए सुकून की बात यह है कि इस बार कोविड पहली या दूसरी लहर की तुलना में कम घातक है।ताजा अध्ययन में पता चला है कि इस बार कोरोना पीड़ित चार में से एक से भी कम मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ी। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान संक्रमित अधिकांश लोगों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ती थी। पिछले साल अप्रैल में ऑक्सीजन के लिए पूरे देश में हाहाकार मच गया था और अस्पतालों में हजारों लोगों की जान सिर्फ इसलिए चली गई थी क्योंकि उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिला पाया था। डाटा विश्लेषण के आधार पर कहा है कि पिछले साल अप्रैल से मई के दौरान कोरोना संक्रमित चार में से तीन व्यक्ति को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी।पहली लहर के दौरान जितने लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उनमें से 63 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया था जबकि पिछले साल दूसरी लहर के दौरान 74 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी। पहली और दूसरी लहर से तुलना में इसबार सिर्फ 23.4 प्रतिशत मरीजों को ही ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ रही है।

हालांकि इस बार भी संक्रमित लोगों की संख्या उतनी ही है लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या पहली और दूसरी लहर की तुलना में बहुत कम है। ओमिक्रॉन वेरिएंट अपेक्षाकृत कम घातक है और इस वेरिएंट से संक्रमित मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने और ऑक्सीजन व आईसीयू बेड्स की जरुरत कम होती है। वहीं कोरोना की पहली लहर में मृत्यु दर का आंकड़ा 7.2 फीसदी रहा जो कि दूसरी लहर में बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया। जबकि मौजूदा लहर में यह आंकड़ा 6 फीसदी दर्ज किया गया है।देश में बड़ी आबादी का कोरोना वैक्सीनेशन होने के कारण मौत के आंकड़ों में कमी आई है।एक डाटा के अनुसार मौजूदा लहर में कोविड-19 से हुई कुल 82 मौतों में से 60 फीसदी मौतें उन लोगों की हुई जिनका आंशिक टीकाकरण या वैक्सीनेशन नहीं हुआ था।

अब ओमिक्रॉन से टूटकर बने नए वैरिएंट ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली ।

कोरोना का सबसे संक्रामक स्वरूप ओमिक्रॉन अब तीन हिस्सों में बंटकर और ज्यादा शक्ति से फैलने लगा है। ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट बीए.1, बीए.2 और बीए.3 हैं, जिनमें से बीए.2 सब-वेरिएंट पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी से फैल रहा है। ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है कि जल्द ही बीए.2 सब-वेरिएंट पूरी दुनिया में ओमिक्रॉन के मूल स्वरूप की जगह ले सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ओमिक्रॉन के मुकाबले बीए.2 अधिक संक्रामक है इसलिए ब्रिटेन की हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (एचएसए) ने इसे जांच की श्रेणी में रख दिया है। वैज्ञानिकों की आशंका है कि यह सब-वेरिएंट टीके के प्रभाव और वायरस के अन्य स्वरूपों को भी चमका दे सकता है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने बताया है कि दुनियाभर में बीए.2 के करीब आठ हजार मामले सामने आए हैं। भारत और फिलीपींस के साथ डेनमार्क और जर्मनी में इससे संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वैज्ञानिकों की टीम वायरस के नए स्वरूप पर नजर बनाए हुए है। अच्छी बात यह है कि बीए.2 की पहचान आसान होगी क्योंकि इसमें स्पाइक-एस जीन नहीं होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीनोम सिक्वेंसिंग के बजाए आरटी-पीसीआर जांच से ही इसकी पहचान हो सकती है। गौरतलब है कि ओमिक्रॉन वेरिएंट को पहचानने के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग का सहारा लेना पड़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि ओमिक्रोन के तीन स्वरूप बीए.1, बीए.2 और बीए.3 है। हालांकि बीए.2 स्वरूप तेजी से ओमिक्रॉन के मूल स्ट्रेन की जगह लेता दिख रहा है। एचएसए का कहना है कि ये पता लगाना संभव नहीं है कि इस रूप की उत्पत्ति कहां से हुई। इंपीरियल कॉलेज लंदन के महामारी विशेषज्ञ डॉ. टॉम पीकॉक का कहना है कि बीए.2 कोरोना की मौजूदा लहर को प्रभावित नहीं कर पाएगा। अगले कुछ महीने अहम हो सकते हैं, जिसमें ये ओमिक्रॉन के मूल स्वरूप की जगह ले सकता है। यह संक्रमण का प्रमुख कारक भी हो सकता है। एचएसए के वैज्ञानिकों का कहना है कि ब्रिटेन में वायरस के बीए.2 रूप के चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 426 है। हालांकि अभी ये फैसला नहीं हुआ है कि भविष्य में वायरस का ये वेरिएंट कितना घातक या महामारी के दौर में कितना आक्रामक हो सकता है।

80 बनाम 20 को रोकने में जुटे हैं अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनावी जंग को 80 बनाम 20 या यूं कहें ध्रुवीकरण में बदलने से रोकने के लिए अखिलेश यादव अब खामोशी से रणनीति बदल रहे हैं। वह पार्टी के अधिकांश मुखर मुस्लिम नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने के बजाए पर्दे के पीछे कर रहे हैं। वह खुद भी ऐसी सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं जहां मुस्लिम वोट बहुत कम हैं। बदले हुए हालात में कई जगह विरोधियों का मुकाबला करने के लिए पूर्व घोषित मुस्लिम प्रत्याशियों की जगह सवर्णों को टिकट दिया जा रहा है। भाजपा की ओर से तमाम चुनौतियों से मुकाबला करने में जुटी समाजवादी पार्टी किसी भी तरह चुनाव में वोटों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण रोकना चाहती है। उसकी कोशिश 15 बनाम 85 करने की है। यानी पिछड़ों, दलितों मुस्लिम को अपने साथ लाकर सवर्णों में भी सेंधमारी शामिल है। सपा में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य इसका संकेत दे चुके हैं। अलग-अलग पिछड़ी जातियों में थोड़ा-थोड़ा आधार रखने वाले नेताओं को साथ लाकर सपा ओबीसी समीकरण तैयार किया है और इसमें सावित्री बाई फुले, इंद्रजीत सरोज, केके गौतम, आर के चौधरी, मिठाई लाल भारती जैसे दलित नेताओं के जरिए दलित वोट में भी सेंधमारी की कोशिश की जा रही है। सपा मान रही है कि मुस्लिम वोटों में अधिकांश हिस्सा उसे ही मिलेगा। ऐसे में मुस्लिम प्रत्याशी उतारने का रिस्क ज्यादा नहीं लिया जाए। कैराना में तो सियासी हालात के मद्देनजर सपा के लिए नाहिद हसन मजबूत प्रत्याशी हैं लेकिन रणनीति के तहत अलग -अलग इलाकों में अलग ही बिसात बिछाई है। वहां गैरविवादित छवि वाले मुस्लिमों को मैदान में उतारा है, उनमें अधिकांश सपा के सिटिंग विधायक हैं। कांग्रेस से इमरान मसूद व विधायक मसूद अख्तर दोनों अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। इसलिए इन दोनों नेताओं को सपा ने साथ ले लिया है लेकिन चुनाव लड़ाने से सपा ने परहेज किया है। इन्हें सपा प्रत्याशियों को जिताने का जिम्मा दिया है। ताकि सहारनपुर व आसपास सपा रालोद गठबंधन के खिलाफ ध्रुवीकरण न हो पाए। आगरा में कुछ सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी के बजाए अब वैश्य व अन्य समुदाय के प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है। सपा प्रमुख चाहते थे तो आजमगढ़ की गोपालपुर या किसी अन्य सीट से लड़ सकते थे। वह आजमगढ़ से सांसद भी हैं। सपा का व्यापक जनाधार है और यहां किसी सीट से जीतने में उन्हें बहुत मुश्किल नहीं आती। यहां गोपालगंज में सपा के नफीस अहमद जीते थे। अखिलेश के पहले यहीं से लड़ने की योजना थी लेकिन पर यह सोचा गया कि इससे भाजपा को ध्रुवीकरण कराने का मौका मिल जाएगा और पूर्वांचल की अन्य सीटों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसलिए यादव बेल्ट की करहल को चुना जहां केवल पांच प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं।

संक्षिप्त समाचार

'मन की बात' कार्यक्रम अगले रविवार पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे प्रसारित होगा

नई दिल्ली ।

जनवरी महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' संबोधन सामान्य रुप से पूर्वाह्न 11 बजे के बजाय पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे प्रसारित होगा। इससे पहले गांधी को स्मरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को इसकी जानकारी दी। महीने के आखिरी रविवार 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि है। पीएमओ ने कहा, महीने की 30 तारीख को 'मन की बात' कार्यक्रम गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर स्मरण करने के बाद पूर्वाह्न 11ः30 बजे शुरू होगा।''

जन्मदिन पर सामाजिक मुद्दों पर लाइव इंस्टाग्राम सत्र आयोजित करेंगी श्रुति हासन

चेन्नई । अभिनेत्री और गायिका श्रुति हासन अपने जन्मदिन समारोह के तहत विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर लाइव इंस्टाग्राम सत्र आयोजित करेंगी। श्रुति के करीबी सूत्रों ने बताया ने अपने कि वे 28 जनवरी को आने वाले जन्मदिन पर अभिनेत्री अपने प्रशंसकों से मिले प्यार से अभिभूत हैं, उन्होंने इस महीने को उनके जन्मदिन के महीने के रूप में मनाना शुरू कर दिया है। जानकारी के मुतो बिक इस साल अपने जन्मदिन पर श्रुति ने समाज से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने का फैसला किया है। वह 27 जनवरी से मानसिक स्वास्थ्य, फिल्मों और मीडिया में महिलाओं और स्थिरता जैसे विषयों पर लाइव सत्रों की एक श्रृंखला करेंगी। इन लाइव सत्रों के माध्यम से श्रुति उन विषयों की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहती है जो आमतौर पर कालीन के नीचे ब्रश किए जाते हैं या जितनी बार उन्हें चर्चा नहीं करनी चाहिए। सभी लाइव सत्रों में श्रुति के साथ विभिन्न प्रभावशाली और मेजबान इन विषयों पर चर्चा होगी। उसी पर टिप्पणी करते हुए श्रुति ने कहा कि लाइव सत्रों के पीछे का विचार इन विषयों पर चर्चा शुरू करना है। किसी का जन्मदिन मनाने के कई तरीके हैं लेकिन एक उत्सव का मेरा विचार ईमानदार चर्चाओं को खोलना है, खासकर उन चीजों के बारे में जिनकी मुझे परवाह है और विश्वास करने के लिए और अधिक बात करने की जरूरत है।

94 बार चुनाव हार कर बनाया रिकॉर्ड, सेंचुरी बनाने की जिद अभी बाकी

आगरा । आगरा के एक शख्स ने बार-बार चुनाव लड़कर ही रिकॉर्ड बना डाला है। 94 बार चुनाव लड़ चुका यह शख्स 100वां चुनाव लड़ने के सपने देखता है। हालांकि इन्होंने अभी तक कोई चुनाव जीता नहीं है। इस बार भी विधानसभा चुनाव में उन्होंने दो जगह से पर्चा भरा है। किसी की आदत या किसी का जूनून ही उसे अलग करने की सोच देता है। चुनावो में हार जीत तो जनता के हाथ में है। आगरा के खेरागढ़ तहसील नगला रामनगर के रहने वाले हसनुराम अम्बेडकरी ने 1985 से 2022 तक हर छोटे-बड़े चुनाव में हिस्सा लिया है। अभी उनका रिकॉर्ड 94 का है पर दिल में तमन्ना 100 चुनाव लड़ने की है। हसनुराम अंबेडकरी कहते है, मैं जिंदा ही इसलिए हूं कि 100वां चुनाव लड़ना है। मेरी नज़र हमेशा अगले चुनाव पर रहती है। बताया जा रहा है कि कई साल पहले किसी विधायक ने चुनाव लड़ने को लेकर उनका मजाक बना दिया था। उस विधायक की बात उनके दिल मे घर कर गई तभी उन्होंने विचार किया कि अब कुछ अलग किया जाए और चुनाव लड़ा जाए। उसके बाद एक के बाद एक चुनाव लड़ने की कहानी शुरू हो गई। इस बार भी विधानसभा चुनाव में उन्होंने दो जगह से पर्चा भरा है। हसनुराम राष्ट्रपति से लेकर ब्लॉक तक के हर चुनाव लड़ चुके हैं। हसनुराम उस दौरान राजस्व विभाग में अमीन थे। उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। 76 साल के हसनुराम ने यह तय किया है कि जब तक जीवित रहूंगा, चुनाव लड़ता रहूंगा। वे कहते हैं कि उनके पास जेब मे 500 रुपए और कुछ जरा सी जमीन है। चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने उन पैसों का इस्तेमाल किया जो केंद्र सरकार की किसान योजना के तहत किसानों को मिलते हैं।

टिकट ना मिलने पर बगावत पर उतरें ये विधायक सपा के खिलाफ खोला मोर्चा

वाराणसी । उत्तर प्रदेश में अखिलेश एक बार फिर प्रदेश में अपनी सरकार बनाना चाहते हैं। लेकिन उनके पार्टी के बागी विधायकों ने अखिलेश की मुश्किलें बढ़ा दी है। दरअसल टिकट नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने अखिलेश और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कुल जमा ये कि समाजवादी पार्टी के घर में विद्रोह की वेदी सुलग उठी है। सपा के दो विधायक हाजी इकराम कुरैशी और दूसरी हाजी रिजवान, अखिलेश यादव से नाराज चल रहे हैं। दरअसल इन दोनों नेताओं में एक समानता है कि दोनों नेताओं का इस बार अखिलेश ने टिकट काट दिया है। हाजी इकराम कुरैशी की बात करें तो वह पिछले 28 साल से समाजवादी पार्टी के साथ है। एसपी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। इकराम मुरादाबाद देहात के बड़े और कद्दावर नेता है। अखिलेश से उनकी नाराजगी की वजह इस बार उन्हें टिकट नहीं मिलना है। वहीं दूसरी तरफ मुरादाबाद देहात से हाजी नासिर कुरैशी को टिकट मिला है। नासिर का कहना है कि विधायक इकराम कुरैशी के आरोप बेबुनियाद हैं। वहीं दूसरे नाराज नेता हाजी रिजवान मुरादाबाद जिले के कुंदरकी विधानसभा के कद्दावर नेता है। वह उसी सीट से 3 बार विधायक रह चुके हैं, लेकिन इस बार उनका भी टिकट कट गया है। लिहाजा रिजवान ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर एसपी प्रत्याशी के विरोध में चुनाव लड़ने का एलान किया है। बता दें कि अखिलेश ने हाजी रिजवान की जगह एसपी सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क़ के पोते जियाउर्रहमान बर्क़ को टिकट दिया है। मुरादाबाद जिले में विधानसभा की कुल 6 सीटें है। बिलारी, कुंदरकी, मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद ग्रामीण, ठाकुरद्वारा और कांठ सीट । यहां दूसरे चरण यानी 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। परिणाम 10 मार्च को आएंगे। ऐसे में देखना ये है कि इस बगावत से समाजवादी पार्टी को कितना नुकसान होगा ?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई